RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-353 | जयपुर, गुरुवार, 18 जून 2026 | मूल्य-4 रूपये

भारत की विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी जीत

नई दिल्ली। भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए नीदरलैंड को 95 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 209 रन बनाए। यह टूर्नामेंट में उसका सबसे बड़ा स्कोर भी रहा। जवाब में नीदरलैंड 17.3 ओवर में 114 रन पर सिमट गई। हेडिंग्ले के लीड्स स्टेडियम में खेले गए इस मैच में स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने भारत की जीत की नींव तैयार की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी की। मंधाना ने 74 और शेफाली ने 55 रन बनाए। मंधाना को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

आईएसआई से जुड़े आतंकी मॉड्यूल के पांच और आरोपी अरेस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बुधवार को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ढ्स्ढ से जुड़े आतंकी मॉड्यूल के पांच और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले मंगलवार को इस मॉड्यूल के 7 अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इस तरह दो दिनो में मॉड्यूल के 12 सदस्य गिरफ्तार हो चुके हैं, जबकि एक फरार है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक,यह नेटवर्क पाकिस्तान स्थित ढ्स्ढ हैंडलर शहजाद भट्टी से जुड़ा हुआ था। जांच में खुलासा हुआ है कि गिरफ्तार आरोपियों को दिल्ली और आसपास के राज्यों में पुलिसकर्मियों को निशाना बनाने का काम सौंपा गया था।

इन्हें पाकिस्तानी हैंडलर्स के पोस्टर्स के साथ दिल्ली-एनसीआर इलाके में आतंकी संगठन 'तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान' का प्रचार करने की भी जिम्मेदारी दी गई थी।

जी 7 समिट: पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच अहम बैठक

पीएम मोदी अपनी शर्तें मनवाने में सख्त: ट्रंप

मोदी ने ट्रम्प से कहा- भारतीय नाविकों की सुरक्षा महत्वपूर्ण

नई दिल्ली/एवियन (फ्रांस)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को कहा- जब तक मैं प्रेसिडेंट हूं, व्हाइट हाउस में मोदी का हमेशा अच्छा दोस्त मौजूद रहेगा। अगर भारत या मोदी पर हमला होता है और मोदी लीडर होंगे तो हम उनकी मदद करेंगे।

उन्होंने मोदी की तारीफ करते हुए कहा- जब तक मोदी लीडर हैं, इंडिया हर फील्ड में बड़ा रोल निभाएगा। मोदी शांत और जबरदस्त नेता हैं, लेकिन मैं मोदी की तरह नहीं हूं।

वहीं ट्रम्प के साथ द्विपक्षीय बैठक में मोदी ने कहा कि समुद्र में भारतीयों की सुरक्षा जरूरी है। उम्मीद है कि ईरान के साथ डील में भारतीयों की सुरक्षा पक्की की जाएगी।

ट्रम्प बोले- जब तक मैं राष्ट्रपति, व्हाइट हाउस में भारत का दोस्त मौजूद रहेगा

पीएम ने कहा कि होर्मुज खुला रहना जरूरी है। मैं वेस्ट एशिया में शांति की कोशिशों में ट्रम्प की लीडरशिप की तारीफ करता हूं। ट्रम्प के नेतृत्व में शांति की उम्मीद दिख रही है।

पीएम मोदी ने जी7 समिट में दोनों दिन होर्मुज स्ट्रेट में भारतीय नाविकों की मौत का मुद्दा उठाया। उन्होंने समिट के पहले दिन मंगलवार को आउटरीच सेशन में कहा था कि इस अहम समुद्री मार्ग में कई भारतीयों ने जान गंवाई है और वैश्विक व्यापार को जोड़ने वाले नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सभी देशों की जिम्मेदारी है।

वेस्ट एशिया संकट का असर लंबे समय तक रहेगा

मोदी ने बुधवार को समिट में कहा कि वेस्ट एशिया में संकट की वजह से फ्यूल, फर्टिलाइजर और फूड सप्लाई चेन में आई रुकावटों का असर ग्लोबल साउथ (दक्षिणी देशों) पर काफी समय तक रहेगा।

मोदी ने कहा- अंतरराष्ट्रीय एकजुटता मजबूत करने के लिए कमजोर देशों को संकटों का बोझ अकेले नहीं उठाना चाहिए। कई देशों की आबादी बूढ़ी हो रही है, जबकि भारत और ग्लोबल साउथ के देशों में युवा प्रतिभा और कौशल की कमी नहीं है।

ट्रम्प बोले- मोदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं

यूएस प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा- हम ट्रेड डील कर रहे हैं। अमेरिका और भारत के बीच बहुत सी चीजें हो रही हैं। अमेरिका अब तक का सबसे अच्छा काम कर रहा है। हमारे पास 19.2 ट्रिलियन से ज्यादा आ रहे हैं। हम सब कुछ बना रहे हैं। प्रधानमंत्री अमेरिका में बहुत कुछ बना रहे हैं और बहुत पैसा खर्च कर रहे हैं, इसलिए हम उस काम की तारीफ करते हैं। लेकिन मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि वह लंबे समय से मेरे दोस्त हैं और हमारे बीच हमेशा से बहुत अच्छे रिश्ते रहे हैं, और आपके साथ होना बहुत अच्छा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वर्किंग लंच स्टेटमेंट में पीएम मोदी की तारीफ की। ट्रम्प ने कहा कि मोदी शांत, कूल और जबरदस्त इंसान हैं, लेकिन वह मोदी की तरह नहीं हैं।

साल के अंत तक भारत-ईयू में मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर

प्रधानमंत्री मोदी ने जी7 सम्मेलन के दौरान यूरोपियन परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा व यूरोपियन आयोग की अध्यक्षा उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। नेताओं ने भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते पर जल्द से जल्द हस्ताक्षर करने और उसे लागू करने पर जोर दिया। उनका मानना रहा कि इससे व्यापार-निवेश के लिए बड़े अवसर खुलेंगे और सप्लाई चेन में विविधता लाने में मदद मिलेगी। मौजूदा अस्थिर भू-राजनीतिक माहौल में यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

नेताओं ने जनवरी 2026 में मंजूर किए संयुक्त भारत-ईयू व्यापक रणनीतिक एजेंडा पर हुई प्रगति पर चर्चा की और इस बात पर सहमति जताई कि इससे भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी और मजबूत

होगी तथा दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद और परिवर्तनकारी परिणाम सामने आएंगे। आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करते हुए नेताओं ने पश्चिम एशिया में हुए घटनाक्रमों का स्वागत किया। उन्होंने शांति व स्थिरता, समृद्धि तथा सतत विकास में योगदान देने वाली मजबूत बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था बनाने की अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया।

भारत का इतिहास गुलामी का नहीं, प्रतिरोध की गाथा: डॉ. भागवत

उदयपुर

आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत का इतिहास गुलामी का नहीं, बल्कि आक्रांताओं के विरुद्ध सतत संघर्ष का रहा है। हल्दीघाटी का युद्ध केवल महाराणा प्रताप या उनकी सेना का युद्ध नहीं था, बल्कि पूरे समाज के सामूहिक प्रतिरोध का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि उपलब्ध ऐतिहासिक तथ्यों और स्वयं मुगल इतिहासकारों के विवरणों से स्पष्ट होता है कि हल्दीघाटी में विजय महाराणा प्रताप की ही हुई थी।

भागवत बुधवार को उदयपुर के गांधी मैदान में महाराणा प्रताप की

486वीं जयंती व हल्दीघाटी विजय के 450 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'राष्ट्र चेतना संकल्प सभा' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा आज देशभर में महाराणा प्रताप की जयंती श्रद्धा व गौरव के साथ मनाई जाती है। यह इस बात का प्रमाण है राष्ट्र अपने उन महापुरुषों को स्मरण करता है जिन्होंने स्वाभिमान, स्वतंत्रता और संस्कृति की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी के युद्ध में सेना, संसाधन और शस्त्रों के स्तर पर मुगल साम्राज्य का पलड़ा भारी था। महाराणा प्रताप के पास सीमित साधन थे, धन कम था व सैन्य शक्ति अपेक्षाकृत कम थी, फिर भी उन्होंने संघर्ष का मार्ग नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा भारत का समाज कभी भी पराधीनता को सहज रूप से स्वीकार करने वाला नहीं रहा। जब भी किसी आक्रांता ने इस भूमि पर अधिकार करने का प्रयास किया, उसी क्षण से उसके प्रतिरोध की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई।

उद्धव की सेना में टूट, 9 में से 6 सांसद बागी

6 सांसदों ने पकड़ा एकनाथ शिंदे का हाथ, लोकसभा अध्यक्ष को सौंपा समर्थन पत्र

नई दिल्ली/मुंबई

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना के 9 में से 6 सांसदों ने बगावत कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, छह सांसदों ने बुधवार सुबह 9:30 बजे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को शिंदे गुट में विलय के लिए चिट्ठी भेजी। हालांकि, अभी स्पीकर या बागी गुट की तरफ इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

बागी सांसदों में नागेश पाटिल आष्टीकर और संजय दीना पाटिल शामिल हैं। संजय ने बुधवार सुबह ही पार्टी छोड़ने की खबरों को खारिज किया था। इस बीच दिल्ली

में राज्यसभा सांसद संजय राउत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बागी सांसदों को गाली दी। राउत ने कहा- ये साले बेईमान लोग हैं। बेईमानी उनके खून में हैं। राउत ने बाद में कहा- मराठी में ऐसे शब्द आम बोलचाल का हिस्सा हैं। शिवसेना में चार साल में यह दूसरी बड़ी टूट है। जून 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में 39 विधायकों ने बगावत कर शिवसेना का अलग गुट बनाया था।

परिसीमन बिल गिरने के कारण ऐसी राजनीति आपत्तिजनक

संजय राउत ने लोकसभा में परिसीमन बिल गिरने के कारण भाजपा पर विपक्षी दलों को तोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा- अगर परिसीमन बिल पास नहीं हुआ तो क्या देश पर आसमान टूट पड़ेगा? सभी दलों की सहमति बनने के बाद इसे फिर लाया जा सकता था। राउत ने कहा- बिल पारित नहीं होने के बाद भाजपा जिस तरह की राजनीतिक गतिविधियां कर रही है, वह बेहद आपत्तिजनक और निंदनीय है। भाजपा विपक्ष को कमजोर करने के लिए दल-बदल को बढ़ावा दे रही है।

शाह लोकसभा में अपनी बेइज्जती की भरपाई कर रहे

कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर विपक्षी दलों के सांसदों को भाजपा में शामिल कराने की कोशिश करने और भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्सपर कहा- शाह यह सब 17 अप्रैल, 2026 को लोकसभा में हुई अपनी बेइज्जती की भरपाई के लिए कर रहे हैं, जब वे परिसीमन विधेयकों को पास नहीं करवा पाए थे।

नीट री-टेस्ट से पहले टेलीग्राम पर अस्थायी बैन हाई कोर्ट ने केंद्र को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने 21 जून को नीट-यूजी की दोबारा होने वाली परीक्षा के मद्देनजर सोशल मीडिया ऐप टेलीग्राम को अस्थायी रुप से बंद करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सरकार को नोटिस जारी किया है। जस्टिस तेजस करिया की बेंच मामले पर 18 जून को फिर सुनवाई करेगी।

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार ने ये आदेश आईटी कानून की धारा 69ए के तहत दिया है। टेलीग्राम ने अपना प्रतिवेदन दिया है और उस पर आज फैसला आना है। मेहता ने इस पर जवाब देने के लिए समय देने की मांग की। मेहता ने कल सुबह तक समय देने की मांग की। तब कोर्ट ने पूछा कि नीट की परीक्षा कब है, तब टेलीग्राम की ओर से पेश वकील ने कहा कि 21 जून को। मेहता ने कहा इसमें कुछ मामले हैं जिन्हें कोर्ट को देखना जरुरी है। मेहता ने कहा वो यूजर आईडी दिखा सकते हैं। केंद्र ने टेलीग्राम को कई बार दिखाया व अपना सिस्टम ठीक करने को कहा, लेकिन उन्होंने नहीं किया।

सीएम बोले- समस्या समाधान में कोताही नहीं बरतें अधिकारी

उदयपुर में शहरी सेवा शिविर का किया निरीक्षण, लाभार्थियों से लिया योजनाओं का फीडबैक

उदयपुर

सीएम भजनलाल शर्मा ने बुधवार को उदयपुर प्रवास के दौरान उदयपुर विकास प्राधिकरण में आयोजित शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने शिविर में उपस्थित लाभार्थियों से बात करते हुए योजनाओं और शिविर का फीडबैक भी लिया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि शिविरों में आमजन से जुड़े छोटे से छोटे काम को भी गंभीरता से लिया जाए। आमजन की समस्याओं का समाधान हर हाल में किया जाए। इसमे किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतें। उन्होंने कहा कि आवश्यक जांच एवं प्रक्रिया के कारण अतिरिक्त समय लगने वाले प्रकरणों के निस्तारण के लिए फॉलोअप शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने पार्क, सड़कों, नालियों, सीवर और बिजली सहित नगरीय सुविधाओं से संबंधित समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम के दौरान निम्बाहेड़ा विधायक श्रीचंद कृपलानी की ओर से तैयार कराई गई विकास पुस्तिका का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी, संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव मौजूद थे।

मानसून कमजोर, देश के 40% हिस्से में बारिश की कमी

सात दिन से तेलंगाना में अटका मानसून

जयपुर

जून के तीसरे सप्ताह में भी मानसून देश के बड़े हिस्से को कवर नहीं कर पाया है। 17 जून की सुबह ली गई सैटेलाइट तस्वीरों में महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान और कर्नाटक के ऊपर मानसूनी बादल नहीं हैं। इन राज्यों में आसमान साफ दिख रहा है।

मौसम विभाग के मुताबिक, देश के 723 जिलों में से सिर्फ 103 में ही सामान्य बारिश हुई है। यानी, देश के 40% हिस्से में सामान्य से कम बारिश हुई है। इसकी मुख्य वजह बंगाल की खाड़ी में मजबूत लो-प्रेशर एरिया का न बनना है।

4 जून को केरल में दस्तक देने के बाद मानसून 13 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है। पिछले 7 दिन से यह तेलंगाना के भद्राचलम में अटका हुआ है। इसी वजह से छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में बारिश में देरी हो गई है।

राहुल गांधी ने कोटा में किया छात्रों से संवाद...

सुसाइड छात्रों को नहीं सिस्टम का फेल्योर: राहुल गांधी

राहुल बोले-हमारा एजुकेशन सिस्टम बच्चों को टेंशन देता है

कोटा

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कोटा के दशहरा मैदान में बुधवार को स्टूडेंट्स से संवाद किया। कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' में राहुल ने कहा- ये कार्यक्रम कोई राजनीति का कार्यक्रम नहीं है, ये युवाओं, छात्रों की आवाज उठाने का मंच है। आज सिर्फ स्टूडेंट्स और युवाओं की बात होगी।

राहुल गांधी ने कहा- हिंदुस्तान का एजुकेशन सिस्टम अपने बच्चों को प्रेशराइज (दबाव में) करता है।

यह उन्हें स्ट्रेस (तनाव) देता है। मैं चाहता हूं कि हम सब मिलकर इसके खिलाफ लड़ाई लड़ें, ताकि आगे से किसी भी बच्चे को ऐसा (आत्महत्या जैसा) आत्मघाती कदम न उठाना पड़े।

राहुल गांधी ने कहा-पांच प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में आपके परिवारों की जेब से उतना पैसा छीन लिया जाता है जितना पांच मंत्रालयों का बजट है। नीट, जेईई सहित 5 परीक्षाओं की तैयारी पर परिवारों की जेब से 5 लाख करोड़ चले जाते हैं।

राहुल गांधी ने कहा- देश का एजुकेशन सिस्टम पढ़ाई, परीक्षा और रोजगार के नाम पर सिर्फ स्टूडेंट्स और उनके परिवारों की जेब से पैसा खींचने का काम कर रहा है।

राहुल ने स्टूडेंट्स से पूछा कि वे आईआईटी, मेडिकल, एसएससी या यूपीएससी ही क्यों चुनना चाहते हैं? इस पर छात्रों ने कहा कि बचपन से उन्हें यही बोला जाता है। अगर उन्हें मन की करने दी जाए, तो कोई डांसर तो कोई पायलट बनना चाहता है। राहुल गांधी ने कहा-देश के युवाओं के पास एजुकेशन में सिर्फ पांच ही ऑप्शन क्यों हैं? हर कोई डॉक्टर या इंजीनियर ही क्यों बनना चाहता है, जबकि और भी कई करियर ऑप्शंस मौजूद हैं। उन्होंने एक छात्रा का सुसाइड नोट दिखाया और कहा- यह आकांक्षा का फेल्योर नहीं है, बल्कि यह हमारे एजुकेशन सिस्टम का फेल्योर है।

राहुल ने कहा- एजुकेशन सिस्टम ऐसा होना चाहिए जहां बच्चे और युवा अपने मन की चीज कर सकें, अपनी पसंद की स्ट्रीम चुन सकें और उसकी तैयारी में लाखों रुपये का भारी-भरकम खर्च न हो।

राहुल गांधी ने कहा- यह सिस्टम सिर्फ पैसे वसूलने का सिस्टम बन चुका है। एक हजार लोगों में से केवल 12 को रोजगार मिलता है, बाकी लोग क्या करेंगे? कोई कुली बनेगा, तो कोई ओला-उबर चलाएगा। हिंदुस्तान में आज 100 में से 80 इंजीनियर बेरोजगार हैं।

राहुल गांधी ने कहा-पांच प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में आपके परिवारों की जेब से उतना पैसा छीन लिया जाता है जितना पांच मंत्रालयों का बजट है। 22 लाख स्टूडेंट नीट देते हैं, ये नीट की तैयारी में 1.32 लाख करोड़ रुपए खर्च करते हैं। उतना ही पैसा भारत सरकार शिक्षा के बजट में डालती है। जेईई का एग्जाम 15 लाख बच्चे देते हैं और इसकी तैयारी पर परिवार 1.3 लाख करोड़ खर्च करते हैं। नीट, जेईई, एससससी, आरआरबी और यूपीएससी को मिलाकर 5 लाख करोड़ रुपए इन पांच प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लगता है। पांच मंत्रालयों के बजट का पैसा हर साल इन एग्जाम के माध्यम से आपके परिवारों की जेब से निकाला जाता है।

खड़े ट्रक में घुसी स्लीपर बस 6 की मौत, 31 घायल

वडोदरा

गुजरात के वडोदरा में कोटांबी स्टेडियम के पास बुधवार सुबह एक स्लीपर बस और ट्रक की टक्कर में 6 लोगों की मौत हो गई। 31 लोग घायल हैं। मृतकों में एक 9 साल का बच्चा भी शामिल है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, बालाजी ट्रैवल्स की लग्जरी बस राजस्थान के बांसवाड़ा से सूरत जा रही थी। वडोदरा में बस सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई यात्री बस में फंस गए।

सूचना मिलते ही SDRF, NDRF और वडोदरा फायर विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। सभी घायलों को एसएसजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के कारण इलाके में लंबा जाम लग गया था।

कन्नूर-जेद्दाह उड़ान में तकनीकी खराबी, हवा में यू-टर्न लेकर सुरक्षित लौटी

कन्नूर(एजेंसी)। मंगलवार को केरलम के कन्नूर से जेद्दाह जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण हवा में ही यू-टर्न लिया। विमान अपनी सुरक्षित वापसी के लिए कन्नूर हवाई अड्डे लौट आया, इसमें 180 से अधिक यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। एयर इंडिया ने पुष्टि की है कि सभी यात्री सुरक्षित हैं और उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, यह घटना तब हुई, जब विमान सुबह 7:40 बजे कन्नूर से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के करीब दो घंटे बाद, पायलटों ने इंजन में खराबी की चेतावनी देने वाली लाइट देखी, इसके बाद उन्होंने एहतियातन तुरंत वापसी का फैसला किया। सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए, विमान ने ईंधन हल्का करने के लिए कुछ देर तक हवाई अड्डे के ऊपर चक्कर लगाए और फिर सकुशल उतरा। प्रारंभिक जांच के बाद पता चला कि विमान के ईंधन फिल्टर में कुछ खराबी थी। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा, हमारी कन्नूर-जेद्दाह उड़ान के क्रू ने तकनीकी खराबी के बाद एहतियात के तौर पर वापस लौटने का फैसला किया। हम आगे की यात्रा के लिए दूसरे विमान का इंतज़ाम कर रहे हैं और यात्रियों को जलपान तथा होटल में ठहरने की सुविधा भी दी गई है। एयरलाइन ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताकर कहा कि उनके संचालन के हर पहलू में सुरक्षा उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। यात्रियों को जल्द ही उनकी गंतव्य तक पहुँचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

कोचिंग विवाद ने लिया सियासी रंग, खान की गिरफ्तारी और सीबीआई जांच की मांग

पटना (एजेंसी)। बिहार के पटना में दो कोचिंग संस्थानों, खान सर और रौशन आनंद सर के बीच चल रहे विवाद ने सियासी रंग ले लिया है। ज्ञान बिंदु के मालिक रोशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की नेपाल में संदिग्ध मौत के बाद यह मामला और पेचीदा हो गया है। जनशक्ति जनता दल सुप्रीमो तेज प्रताप यादव ने इस मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रिया देकर खान सर की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। तेज प्रताप ने रौशन आनंद के प्रति संवेदना जताकर कहा कि भाई मरेगा तब कोई भी रोएगा ही, और जोर देकर कहा कि खान को जेल होनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से भी बिहार सरकार को घेरने का आह्वान किया है।

उल्लेखनीय है कि रौशन आनंद, जो हाल ही में खान सर के एक कोचिंग सेंटर में हुई तोड़फोड़ के मामले में जमानत पर रिहा हुए हैं, ने खान ग्लोबल कोचिंग इंस्टीट्यूट के निदेशक फैसल खान उर्फ खान सर पर अपने भाई प्रिंस यादव की हत्या करवाने का गंभीर आरोप लगाया। प्रिंस यादव की हाल ही में नेपाल के विराटनगर में मौत हो गई थी। इस दुखद घटना पर जनता दल (यूनाइटेड) के बड़े नेता संजय झा ने संवेदना व्यक्त कर कहा कि बिहार सरकार मामले की गहन जांच कर दूध का दूध और पानी का पानी कर देगी। उन्होंने विश्वास दिलाया कि अगर किसी ने गलत किया है, वह बचेगा नहीं।

जनगणना के कारण चार राज्यों में समय से पहले हो सकते हैं चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और गोवा जैसे चार महत्वपूर्ण राज्यों में 2027 के विधानसभा चुनाव तय समय से पहले करने की संभावना पर काम कर रही है। ये चुनाव आमतौर पर फरवरी-मार्च 2027 में होने हैं, लेकिन सूत्रों के अनुसार, जनगणना की प्रक्रिया के साथ संभावित टकराव और हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों के चलते इन्हें पहले करने की तैयारी है। मणिपुर को हालांकि जातीय तनाव के कारण योजना से बाहर किया गया है।

समय से पहले चुनाव करने का मुख्य कारण जनगणना है, जो फरवरी-मार्च 2027 में ही प्रस्तावित है। जनगणना और चुनाव दोनों प्रक्रियाओं में अधिकांशत: शिक्षक और सरकारी कर्मचारी शामिल होते हैं, जिससे लोगों की कमी हो सकती है। एक वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी ने बताया कि इस संभावना को देखकर संबंधित राज्यों से चर्चा हुई है। उत्तराखंड भाजपा दिसंबर में ही चुनाव कराने की पक्षधर है, ताकि कर्मचारियों पर दोहरा बोझ न पड़े और जनगणना कार्य के लिए उन्हें पर्याप्त समय मिल सके।

पेपर लीक रोकने के लिए 22 जून तक नहीं चलेगा टेलीग्राम

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट यूजी परीक्षा 2026 को लीक प्रूफ बनाने के लिए केंद्र सरकार फूंक-फूंककर कदम रख रही है। इसके लिए सरकार ने 22 जून तक के लिए टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप को ब्लॉक करने का निर्णय लिया है। इस कदम का राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने स्वागत करते हुए इसे परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया है। जानकारी के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने निर्देश जारी कर भारत में टेलीग्राम के संचालन को 22 जून 2026 तक अस्थायी रूप से निलंबित करने को कहा है। यह निर्णय 21 जून को होने वाली नीट यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा से पहले किसी भी प्रकार की अफवाह, पेपर लीक या अनधिकृत जानकारी के प्रसार को रोकने के उद्देश्य से लिया गया है। सरकार का मानना है कि यह कदम परीक्षा प्रक्रिया की विश्वसनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में मददगार साबित होगा। वहीं, एनटीए ने भी इस फैसले को छात्रों के हित में बताया है और कहा है कि इससे परीक्षा का संचालन अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से किया जा सकेगा।

लखनऊ में फर्जी आईपीएस धराया, 40 रुपये के विवाद में खुली पोल

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में एक शातिर जालसाज को गिरफ्तार किया गया है, जिसने खुद को फर्जी आईपीएस अधिकारी बताकर पुलिसवालों को ही सैल्यूट मारने का दबाव बनाया। महानगर थाना क्षेत्र में सोमवार शाम 40 रुपये के बन को लेकर शुरू हुए विवाद ने उसकी पोल खोल दी और उसे सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। सोमवार देर शाम महानगर के गोल मार्केट चौराहे पर पुलिस चेकिंग के दौरान एक दुकानदार ने सूचना दी कि खुद को आईपीएस बताने वाला व्यक्ति 40 रुपये के बन के पैसे दिए बिना जाने लगा है और धौंस जमा रहा है। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची, तो आरोपी युवक पुलिसकर्मियों पर भड़क उठा। उसने खुद को बड़ा अधिकारी बताते हुए उन पर सैल्यूट करने का दबाव बनाना शुरू किया। शुरुआत में पुलिस थोड़ी झिझकी, लेकिन युवक के हाव-भाव से शक गहराया। आईडी कार्ड मांगने पर जालसाज का गुस्सा बढ़ गया, उसने पुलिसवालों के नाम-पते पूछकर उन्हें सस्पेंड कराने की धमकी दी। पुलिस उसे हिरासत में लेकर थाने लाई, तो पूछताछ में उसकी सारी हेकड़ी निकल गई।

कांग्रेस की घर वापसी मुहिम: वेणुगोपाल और गहलोत ने दिए पुराने साथियों को लौटने के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल के दिनों में कांग्रेस पार्टी से अलग हुए धड़ों की संभावित वापसी को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं जारी हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी और शरद पवार की एनसीपी जैसी पार्टियों के कांग्रेस में विलय की अटकलों के बीच, कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने अपने पुराने सदस्यों और समान विचारधारा वाले दलों को घर वापसी का निमंत्रण दे दिया है। यह पहल विपक्षी एकता को मजबूत करने और आगामी चुनावों में भाजपा के खिलाफ एक सशक्त मोर्चा बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने हाल ही में स्पष्ट किया कि जो भी कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास रखता है, उसका पार्टी में स्वागत है। उन्होंने कहा कि इसतरह के विलय और घर वापसी से भाजपा की फासीवादी ताकतों के खिलाफ लड़ाई और मजबूत होगी। वेणुगोपाल ने कहा कि जो भी पार्टियां कांग्रेस में शामिल होना चाहती हैं, वे उनसे संपर्क कर सकती हैं। हालांकि, उन्होंने तुरंत स्पष्ट किया कि एआईसीसी के पास फिलहाल विलय का कोई औपचारिक प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है और ये सभी बातें मीडिया की अटकलें मात्र हैं।

बात दें कि वेणुगोपाल से पहले, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने भी इसतरह की बात कही थी। उन्होंने उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत के सुझाव का समर्थन किया था, जिसमें कहा गया था कि कांग्रेस से अलग हुए क्षेत्रीय दलों को वापस कांग्रेस में शामिल होना चाहिए। पूर्व सीएम गहलोत ने जोर दिया था कि देश में लोकतंत्र खतरे में है और विपक्षी एकता समय की मांग है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस से अलग हुई पार्टियां वापस आती हैं और राहुल गांधी को पूरे दिल से अपना नेता स्वीकार करती हैं, तब इससे देश भर में मतदान का पैटर्न पूरी तरह बदल सकता है। गहलोत का मानना है कि जनता अब नरेंद्र मोदी बनाम राहुल गांधी का सीधा मुकाबला देखना चाहती है, और यदि विपक्ष इस मोर्चे पर एकजुट होकर राहुल गांधी के पीछे खड़ा होता है, तब आगामी चुनावों की तस्वीर पूरी तरह बदल सकती है।

ओमान में अमेरिकी हमले के बाद 20 भारतीय नाविक सुरक्षित घर लौटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओमान के बंदरगाह के पास अमेरिकी हमले का शिकार हुए एमटी जलवीर के भारतीय चालक दल के सभी 20 सदस्य अब सुरक्षित अपने घर लौट चुके हैं। मस्कट स्थित भारतीय मिशन ने इसकी सुखद जानकारी दी। जहाज पर हमले के बाद इन नाविकों को ओमानी प्राधिकारियों के सहयोग से सुरक्षित तट पर पहुंचाया गया था। भारत वापसी से पहले, ओमान में भारत के राजदूत प्रशांत पिसे ने एमटी जलवीर के चालक दल के सभी सदस्यों से मुलाकात कर उनके सुरक्षित घर पहुंचने की कामना की। भारतीय दूतावास ने पूरी प्रक्रिया में संकट में फंसे भारतीय नागरिकों को त्वरित मदद और सहयोग सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया है। बचाव कार्य में शामिल ओमानी अधिकारियों और भारतीय मिशन की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना कर बचाए गए नाविकों ने दिल से आभार व्यक्त किया। भारतीय दूतावास ने घटना के बाद राहत और बचाव अभियान में शामिल सभी एजेंसियों के प्रति भी आभार जताया है। दूतावास द्वारा सोशल मीडिया पर साझा की गई वीडियो क्लिप में चालक दल के सदस्य अपनी सुरक्षित वापसी पर खुशी और राहत व्यक्त करते दिखे। एमटी जलवीर के कैप्टन सुबोध ने बताया कि उनका रेस्क्यू ओमानी नेवी ने किया था और इस दौरान भारतीय दूतावास व शिपिंग कंपनी लगातार उनके संपर्क में रहे। ग्यारह जून को हुई घटना के बाद, 11 से 14 जून तक सभी 20 क्रू सदस्यों को एक होटल में सुरक्षित रखा गया था। पोत के सेकेंड ऑफिसर नाजिम ने भी दूतावास, ओमान सरकार और उनकी कंपनी द्वारा दिए गए सहयोग के लिए धन्यवाद जाहिर किया। उन्होंने कहा कि आम लोगों की दुआओं और सबके साथ की वजह से ही वे अपने परिजनों से मिल पा रहे हैं। संकट की स्थिति में मिली सहायता ने उनकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाई और उन्होंने समन्वित कार्रवाई की सराहना की। यह घटना ओमान के तट के पास पिछले चार दिनों में अमेरिकी सेना द्वारा भारतीय चालक दल वाले वाणिज्यिक जहाजों पर किए गए हमलों की तीसरी कड़ी थी। आठ जून को अमेरिकी बलों ने पलाऊ के झंडे वाले तेल टैंकर एमटी मैरिवेक्स को निष्क्रिय किया था, जिस पर सवार 24 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया था।

सोरेन सरकार का फैसला, अब जंगली जानवर के हमले में मौत पर मिलेंगे 10 लाख

-मामूली घायल होने पर 35,000, स्थायी विकलांगता पर 3.5 लाख मिलेगा मुआवजा

रांची (एजेंसी)। झारखंड सरकार ने जंगली जानवरों के हमले से मौत होने पर मुआवजे की राशि चार लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपए करने को मंजूरी दे दी। यह फैसला सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। कैबिनेट सचिवालय की अतिरिक्त मुख्य सचिव वंदना डडेल ने बताया कि कैबिनेट ने जंगली जानवरों से होने वाले नुकसान के लिए राज्य की मुआवजा नीति में बदलाव को मंजूरी दे दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने बताया कि संशोधित नियमों के तहत, जंगली जानवरों के हमलों के कारण गंभीर रूप से घायल होने पर मिलने वाले मुआवजे को मौजूदा 1.5 लाख रुपए से बढ़ाकर दो लाख रुपए कर दिया है। वहीं, मामूली रूप से घायल होने पर मुआवजे की राशि को 25,000 से बढ़ाकर 35,000 रुपए कर दी है। इसके साथ ही हमले के कारण होने वाली स्थायी विकलांगता के मामले में मुआवजे की राशि को 3.25 लाख रुपए से बढ़ाकर 3.5 लाख रुपए कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने मुआवजे का समय पर वितरण करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया को भी मंजूरी दे दी है।

वंदना डडेल ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत, मुखिया द्वारा प्रमाणन किए जाने पर मृतक के परिवार को एक लाख रुपए की तत्काल राहत राशि मिलेगी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मृत्यु प्रमाण पत्र जमा करने पर शेष नौ लाख रुपए जारी किए जाएंगे। इसके अलावा वन विभाग के अधिकारियों के लिए सूचना मिलने के छह घंटे के अंदर घटना स्थल का दौरा करना अनिवार्य किया गया है। अधिकारी ने बताया कि इसके साथ ही मुआवजे की पूरी राशि का भुगतान तीन दिन के अंदर करना होगा।

टीएमसी के बाद उद्धव ठाकरे की शिवसेना में सेंध, दिल्ली पहुंचे सांसद

-महाराष्ट्र की राजनीति में सियासी संकट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर से गर्माहट आ गई है, खासकर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के सांसदों को लेकर अटकलों का दौर तेज हो गया है। हाल ही में पार्टी के एक सांसद की महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के शिवसेना गुट के एक वरिष्ठ नेता से मुलाकात ने सियासी गलियारों में चर्चाओं को हवा दे दी है। इन मुलाकातों और आंतरिक बैठकों ने इस बात की अटकलों को बल दिया है कि उद्धव सेना के नौ में से सात सांसद अलग होकर शिंदे गुट में शामिल हो सकते हैं। हालांकि, जब उद्धव ठाकरे ने मातोश्री में अपने सांसदों की बैठक बुलाई तो केवल चार सांसद व्यक्तिगत रूप से पहुंचे थे, जबकि पार्टी का दावा था कि अन्य पांच वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शामिल हुए थे।

सूत्रों के अनुसार, यवतमाल-वाशिम से सांसद संजय देशमुख ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री प्रताप जाधव से मुलाकात की थी। यह मुलाकात इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जाधव शिंदे सेना में शामिल हैं और एक प्रमुख चेहरा हैं। इस भेंट के बाद से ही कयास लगाए जाने लगे हैं कि जल्द ही उद्धव की पार्टी के कुछ और सांसद शिंदे गुट में शामिल हो सकते हैं। गौरतलब है कि संजय देशमुख भी मातोश्री में हुई बैठक में ऑनलाइन उपस्थित हुए थे। हालांकि, प्रताप जाधव ने इस मुलाकात को सामान्य बताते हुए इसके राजनीतिक निहितार्थों को खारिज किया है। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली पार्टी के पास लोकसभा में कुल नौ सांसद हैं। पहले यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि दल के सात सांसद टूट सकते हैं और शिंदे को समर्थन दे सकते हैं। हालांकि, राज्यसभा सांसद संजय राउत ने ऐसी किसी भी चर्चाओं को अफवाह करार दिया था। उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि पार्टी प्रमुख लगातार अपने सभी सांसदों के संपर्क में बने हुए हैं और पार्टी में कोई फूट नहीं है। जानकारों के अनुसार, दल-बदल कानून के तहत किसी भी दल के दो-तिहाई विधायकों या सांसदों का अलग होना अनिवार्य है ताकि वे अयोग्य घोषित होने से बच सकें। उद्धव सेना के मामले में, नौ सांसदों में से कम से कम छह सांसदों को एक साथ पार्टी छोड़नी होगी ताकि वे इस शर्त को पूरा कर सकें और किसी दूसरे दल के साथ विलय कर सकें। फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं है कि सांसद वास्तव में पाला बदलेंगे या नहीं, लेकिन सियासी गलियारों में यह गणित लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है। केंद्रीय मंत्री प्रताप जाधव ने बताया कि देशमुख अपने संस्थान के बारे में कुछ जानकारी चाहते थे और चूंकि जाधव दिल्ली में थे, दोनों ने साथ में चाय पी और बातचीत की। उन्होंने यह भी बताया कि तकनीकी समस्याओं के चलते देशमुख अपनी पार्टी की बैठक ऑनलाइन अटेंड कर रहे थे। जाधव ने अपनी पुरानी दोस्ती का जिक्र करते हुए कहा कि वे उस समय से दोस्त हैं जब दोनों एक ही संगठन में थे; उस समय देशमुख यवतमाल के जिला प्रमुख थे और जाधव बुलढाणा के जिला प्रमुख। उन्होंने कहा, हम दोनों ने तब से साथ मिलकर संगठन में काम किया है। हम दोनों एक ही इलाके के रहने वाले हैं। हमारी दोस्ती बहुत अच्छी है। अब भले ही वह दूसरी पार्टी से सांसद चुने गए हैं, फिर भी वह एक पड़ोसी निर्वाचन क्षेत्र के सांसद हैं इसलिए हमारी दोस्ती बढ़िया है और हम दोस्तों की तरह अक्सर मिलते रहते हैं, भले ही राजनीति में हम एक-दूसरे के विरोधी हैं। अब सबकी निगाहें 19 जून पर टिकी हैं, जब अविभाजित शिवसेना का स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जब संजय राउत से पूछा गया कि रविवार की बैठक में शामिल नहीं होने वाले सांसद इस कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे या नहीं, तो उन्होंने दृढ़ता से कहा कि शिवसेना परिवार के इस आयोजन के लिए किसी को निमंत्रण की आवश्यकता नहीं होती। यह देखना दिलचस्प होगा कि स्थापना दिवस पर सभी सांसद अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर एकता का संदेश देते हैं या मौजूदा अटकलें और गहराती हैं।

अब डॉक्टर की पर्ची के बिना नहीं मिलेगा कोई सिरप : स्वास्थ्य मंत्रालय का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने दवाइयों की बिक्री को लेकर बड़ा और महत्वपूर्ण फैसला लिया है। अब डॉक्टर की पर्ची के बिना किसी भी मेडिकल स्टोर पर कोई भी सिरप नहीं मिलेगा। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने इस बारे में अधिसूचना जारी कर नए नियमों की घोषणा की है। यह नियम खांसी के सिरप सहित सभी प्रकार के सिरप पर लागू होगा, जिसका अर्थ है कि इन दवाओं की ओवर-द-काउंटर बिक्री अब पूरी तरह से बंद हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने ड्रग्स रूल्स 1945 के शेड्यूल के से सिरप शब्द को हटा दिया है। शेड्यूल के के तहत कुछ दवाएं बिना डॉक्टर की पर्ची के बेची जा सकती थीं, लेकिन अब इस संशोधन के साथ, सिरप श्रेणी को अब तक मिली सभी नियामक छूटें खत्म हो गई हैं। केंद्र सरकार का यह कदम दवाइयों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी दवा वितरकों और खुदरा विक्रेताओं को नए नियमों का कड़ाई से पालन करने की सख्त चेतावनी दी है। नियमों की किसी भी अनदेखी पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस फैसले से विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में दवाइयों की सुरक्षा में सुधार आने की उम्मीद है, खासकर बच्चों को दी जाने वाली खांसी की सिरप को लेकर। गौरतलब है कि पिछले साल मध्य प्रदेश में जहरीले कफ सिरप के सेवन से कई बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई थी, जिसके बाद सरकार पर इसतरह के कदम उठाने का दबाव था। अब यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ऐसी दवाएं केवल चिकित्सकीय सलाह पर ही उपलब्ध हों।

संघ पर कांग्रेस का हमला, महात्मा गांधी की हत्या के बाद से ही आरोप लगाने की परंपरा

वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रियांक खरगे को दिखाया आइना

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को लेकर कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खरगे द्वारा लिखे गए खुले पत्र पर विश्व हिंदू परिषद (बीएचपी) ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि संघ पर आरोप लगाने से पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि ऐसा कौन-सा कानून है जो सभी सामाजिक और वैचारिक संगठनों के लिए अनिवार्य पंजीकरण की व्यवस्था देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना ठोस तथ्यों के संघ को निशाना बनाकर उसकी छवि धूमिल करने का प्रयास हो रहा है।

वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष कुमार ने संघ की आय और कर व्यवस्था को लेकर उठाए गए सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आरएसएस की प्रमुख आय 'गुरु दक्षिणा' से प्राप्त होती है और संगठन अपने कार्यों के लिए बाहरी स्रोतों से धन स्वीकार नहीं करता। उनके अनुसार अतीत में आयकर विभाग ने संघ की आय पर कर लगाने का प्रयास किया था, लेकिन न्यायालयों ने साफ किया कि गुरु दक्षिणा से प्राप्त राशि आयकर के दायरे में नहीं आती। उन्होंने कहा कि विषय पर न्यायपालिका पहले ही अपना रुख स्पष्ट साफ कर चुकी। वीएचपी अध्यक्ष कुमार ने कांग्रेस पर हमला कर कहा कि महात्मा गांधी की हत्या के बाद से ही संघ के खिलाफ आरोप लगाने की परंपरा जारी है। उनका कहना था कि कांग्रेस वर्षों से संघ को बदनाम करने की राजनीति करती रही है और कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे की टिप्पणी भी उसी रणनीति का हिस्सा प्रतीत होती है। उन्होंने इस बयान को राजनीतिक लाभ के लिए किया गया प्रयास बताया।

कर्नाटक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बीके हरिप्रसाद की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देकर कुमार ने कहा कि आरएसएस हमेशा तिरंगे का सम्मान करता है और उस देश के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में स्वीकार करता है। उन्होंने खारिज किया कि संघ के पास स्वयंसेवकों का कोई रिकॉर्ड नहीं है। उनके अनुसार आरएसएस में नियमित अंतराल पर चुनाव होते हैं और इसके लिए सदस्यों तथा स्वयंसेवकों का व्यवस्थित रिकॉर्ड रखा जाता है। उन्होंने कहा कि संघ एक अनुशासित और संगठित संस्था है तथा उसके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप तथ्यहीन और राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हैं।

पूर्व भाजपा नेता अन्नामलाई ने नीट-यूजी री-टेस्ट परीक्षा को लेकर खड़े किए सवाल

-इतनी सुरक्षा व्यवस्था से छात्रों को परेशानी होगी

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी से अलग होने के कुछ ही दिनों बाद तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व आईपीएस अधिकारी के. अन्नामलाई ने केंद्र की नीट री-टेस्ट व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने 21 जून को आयोजित होने वाली नीट-यूजी री-टेस्ट परीक्षा के लिए किए गए कड़े सुरक्षा इंतजामों पर चिंता जताकर कहा कि इससे पहले से मानसिक दबाव झेल रहे छात्रों की परेशानियां और बढ़ेंगी।

अन्नामलाई ने पोस्ट के जरिए परीक्षा से जुड़ी सुरक्षा व्यवस्थाओं का उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि परीक्षा सामग्री के परिवहन के लिए भारतीय वायुसेना की एयरलिफ्ट सुविधा, सीआरपीएफ और सीआईएसएफ की दोहरी सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निगरानी, चार स्तरों वाली सीसीटीवी व्यवस्था, बायोमैट्रिक और फेसियल रिकॉग्निशन सत्यापन तथा कई चरणों की तलाशी जैसी व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया पर प्रधानमंत्री कार्यालय की निगरानी बताने की चर्चा है।

पूर्व भाजपा नेता ने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि इतनी व्यापक सुरक्षा व्यवस्था किसी संवेदनशील सैन्य परियोजना या गोपनीय रक्षा सॉफ्टवेयर के लिए नहीं, बल्कि एक प्रवेश परीक्षा के लिए हो रही है। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि मोदी सरकार का उद्देश्य पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकना है, लेकिन उनका मानना है कि अत्यधिक सुरक्षा उपाय छात्रों में तनाव और घबराहट बढ़ा सकती हैं।

पूर्व भाजपा नेता अन्नामलाई ने विशेष रूप से परीक्षा केंद्रों पर लंबी जांच प्रक्रिया और परीक्षा अवधि को 180 मिनट से बढ़ाकर 195 मिनट करने पर सवाल उठाए। उनके अनुसार, जिन विद्यार्थियों ने महीनों की तैयारी के बाद पहले ही एक बार परीक्षा दी है और अब फिर परीक्षा में शामिल हो रहे हैं, उनके लिए यह स्थिति मानसिक रूप से और अधिक चुनौतीपूर्ण बन सकती है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक जैसी समस्याओं का समाधान जरूरी है, लेकिन अपनाया गया तरीका कहीं नई समस्याओं को जन्म न दे दे, इस पर भी विचार होना चाहिए। गौरतलब है कि 3 मई 2026 को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा में करीब 22.8 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। पेपर लीक के आरोपों और विवादों के बाद परीक्षा रद्द कर दी गई थी, जिसके चलते अब 21 जून 2026 को दोबारा परीक्षा कराई जा रही है।

अल-नीनो ने बढ़ाई चिंताएं, देश भर में मॉनसून की रफ्तार पर पड़ेगा असर

-वैज्ञानिकों ने सुपर अल नीनो दिया नाम, साल के अंत तक रहेगा इसका असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रशांत महासागर में अल-नीनो के हालात पैदा होने से भारत की चिंताएं बढ़ गई हैं। देशभर में मॉनसून की रफ्तार पर इसका गहरा असर पड़ा है। यही नहीं अल नीनो का प्रकोप मॉनसून के बाद भी जारी रहने की आशंका है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के डायरेक्टर जनरल डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने एक बयान में बताया है कि सितंबर के अंत तक अल-नीनो की स्थिति और ज्यादा गंभीर हो सकती है। उन्होंने लोगों से कहा कि हालात से लड़ने के लिए पूरी तैयारी की जा रही है और डरने की जरूरत नहीं है। केंद्र सरकार ने भी ऐसी ही अपील की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अल नीनो प्रशांत महासागर में होने वाली एक प्राकृतिक घटना है। इस दौरान प्रशांत महासागर की सतह का पानी असामान्य रूप से गर्म होने लगता है। इसकी वजह से मॉनसून प्रभावित होता है और भारत में कम बारिश होने की वजह से सूखे जैसे हालात बन सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक मौजूदा समय में प्रशांत महासागर न्यूट्रल फेज से निकलकर अल नीनो में पूरी तरह प्रवेश कर रहा है। मौसम वैज्ञानिक इस साल इसे सुपर अल नीनो का नाम भी दे रहे हैं और इसका असर साल के अंत तक देखने को मिल सकता है।

महापात्र ने बताया कि जुलाई, अगस्त और सितंबर की शुरुआत में अल-नीनो का कम असर दिखेगा। इसके बाद सितंबर के अंत तक इसके ज्यादा मजबूत होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि इस दौरान देश के उत्तर-पश्चिमी, मध्य और पश्चिमी इलाकों में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है। वहीं गुजरात, राजस्थान से लेकर ओडिशा, उत्तरी आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के वे इलाके जहां सिंचाई की सुविधाएं कम हैं, वहां बारिश कम होने की वजह से फसलों पर ज्यादा असर देखने को मिल सकता है। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि हमें बहुत ज्यादा चिंता नहीं करनी चाहिए।

इस बीच केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी देश के लोगों को भरोसा दिलाया कि डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि इस साल देश के प्रमुख जलाशयों में पानी का स्तर सामान्य से काफी बेहतर है। यह खरीफ की फसलों के लिए बूस्टर साबित होगा। इससे पहले सरकार ने किसानों और खेती-बाड़ी सेक्टर को अल नीनो के असर से बचाने के लिए पहले ही एक्शन प्लान शुरू कर दिए हैं। केंद्र ने उन राज्यों और जिलों में खास निगरानी का निर्देश दिया है जहां कम बारिश होने की संभावना है।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अल-नीनो के कारण ग्रामीण इलाकों में सूखा जैसी स्थिति बनती है, तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था और पड़ेगा। ऐतिहासिक रूप से, भारत में सूखे या खराब मॉनसून का सीधा संबंध अल नीनो से रहा है। शुरुआती पूर्वानुमानों के मुताबिक इस साल सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। इससे किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। बारिश कम होने से धान, दालें, मक्का और मूंगफली जैसी खरीफ फसलों की बुवाई प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा देश के कई हिस्सों में हीट वेव का असर देखने को मिल सकता है।

काल का क्रूर प्रहार: एक ही चिता पर पंचतत्व में विलीन हुए चार सगे भाई, बिलखते बुजुर्ग पिता बोले– 'कोई एक तो बच जाता...'

बालोतरा के कोडुका गांव में पसरा सन्नाटा, हंसते-खेलते परिवार का बुझ गया चिराग; कमठे की मजदूरी के लिए घर से निकले थे चारों भाई, रोडवेज बस की भीषण टक्कर ने छीना घर का सहारा, ढांढस बंधाने वाले खुद रो पड़े

स्मार्ट हलचल

बालोतरा। नियति का ऐसा खौफनाक और क्रूर चेहरा शायद ही पहले कभी किसी ने देखा हो। बालोतरा जिले का पाटोदी क्षेत्र स्थित कोडुका गांव आज आंसुओं के समंदर में डूब गया है। मंगलवार की सुबह तक जिस आंगन में नन्हे पोते-पोतियां खेल रहे थे और जहाँ चार जवान भाई काम पर जाने की जल्दबाजी में रोटी खा रहे थे, आज वहाँ सिर्फ चीत्कार और पसरा हुआ सन्नाटा है। पाटोदी रोड पर गोलियां फांटे के पास राजस्थान रोडवेज की बस और अल्टो कार के बीच हुई आमने-सामने की भीषण भिड़ंत में कोडुका गांव निवासी भंवरलाल मेघवाल के चार सगे बेटों– उदाराम (39), रेखाराम (35), जोगाराम (31) और विशनाराम (29) की दर्दनाक मौत हो गई। बुधवार को जब एक ही घर से चार सगे भाइयों की अर्थियां एक साथ उठीं, तो वहां मौजूद हजारों लोगों का कलेजा कांप उठा।

बुजुर्ग पिता का विलाप: 'घर में कोई कमाने वाला नहीं रहा, कोई तो बच जाता'

घर के चारों कमाऊ बेटों की लाशें देख बूढ़े पिता भंवरलाल की आंखें पथरा गई हैं। रोते-रोते बदहवास हो चुके भंवरलाल बार-बार एक ही बात दोहरा रहे हैं, 'मेरा सब कुछ लुट गया... घर में अब कोई कमाने वाला नहीं बचा। चारों ही चले गए, भगवान कोई एक तो छोड़ देता, जो इन मासूम बच्चों का सहारा बनता।' गांव के जो भी लोग इस अभागे परिवार को हिम्मत बंधाने और सांत्वना देने आ रहे हैं, वे खुद पिता और बिलखती बहुओं की हालत देखकर रो पड़ते हैं। चारों भाइयों के पीछे उनकी पत्नियां और छोटे-छोटे मासूम बच्चे हैं, जिनके सिर से पिता का साया हमेशा के लिए उठ गया है।

हमेशा अलग-अलग जाते थे, इस बार काल एक साथ खींच ले गया:

चचेरे भाई गोपाल मेघवाल ने रूंधे गले से बताया कि चारों भाई मकान निर्माण (कमठे) की मजदूरी करते थे। वे अक्सर अलग-अलग जगहों पर काम होने के कारण अलग वाहनों से जाते थे, लेकिन संयोगवश मंगलवार को कलेवा गांव में एक ही साइट पर काम होने के कारण चारों भाई एक ही कार में सवार होकर निकले थे। किसी को अंदाजा नहीं था कि नियति उन्हें एक साथ काल के गाल में खींच ले जाएगी। हादसा इतना भयानक था कि कार के परखच्चे उड़ गए। ग्रामीणों ने लोहे के सरियों से गाड़ी के दरवाजे तोड़कर शवों को बाहर निकाला। दो भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया।

सांसद-विधायक पहुंचे, मुआवजे और न्याय की मांग को लेकर धरना:

हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने पाटोदी रोड पर पत्थर और झाड़ियां रखकर जाम लगा दिया था। पुलिस प्रशासन ने समझाइश कर जाम खुलवाया, लेकिन बाद में पाटोदी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर शव गृह के सामने परिजन धरने पर बैठ गए। घटना की सूचना मिलते ही बाड़मेर सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल, बायतू विधायक हरीश चौधरी, पूर्व सिवाना विधायक गोपाराम मेघवाल सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि कोडुका गांव पहुंचे। नेताओं ने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया और सरकार से विशेष आर्थिक मुआवजा पैकेज व रोडवेज बस चालक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। एसपी रमेश कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

खड़े ट्रक में जा घुसी स्लीपर बस, डूंगरपुर-बांसवाड़ा के मासूम सहित 7 लोगों की दर्दनाक मौत

वडोदरा-हालोल मार्ग पर कोटंबी गांव के पास तड़के हुआ हादसा, 29 घायल

स्मार्ट हलचल

बांसवाड़ा। गुजरात के वडोदरा के समीप बुधवार तड़के एक दिल दहला देने वाला भीषण सड़क हादसा सामने आया है। वडोदरा-हालोल मार्ग पर कोटंबी गांव के पास एक तेज रफ्तार स्लीपर बस सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। इस दर्दनाक हादसे में बस के चालक-परिचालक और एक 9 साल के मासूम बच्चे सहित 7 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 29 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। बस में करीब 40 यात्री सवार थे, जिनमें से अधिकांश राजस्थान के वागड़ अंचल यानी डूंगरपुर और बांसवाड़ा जिले के निवासी थे। हादसे के वक्त अधिकांश यात्री गहरी नींद में सो रहे थे, जिससे उन्हें संभलने तक का मौका नहीं मिला।

लोहे की बॉडी काटकर निकाले गए यात्री, मची चीख-पुकार:

हादसा इतना भयानक था कि टक्कर के बाद बस के आगे का हिस्सा पूरी तरह पिचक गया और

लोहे के मलबे में तब्दील हो गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और कई यात्री बस के भीतर ही बुरी तरह फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही जारोद थाना पुलिस, वडोदरा फायर ब्रिगेड और स्थानीय बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे। बचाव टीमों को फंसे हुए घायल यात्रियों और शवों को बाहर निकालने के लिए कटर, क्रेन और जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। बस की लोहे की बॉडी को कटर से काटकर कड़ी मशक्कत के बाद यात्रियों को बाहर निकाला गया और तुरंत एम्बुलेंस के जरिए स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।

बाल-बाल बचे दिनेश ने बयां किया हादसे का खौफनाक मंजर:

हादसे में बाल-बाल बचे डूंगरपुर निवासी यात्री दिनेश ने रुंधे गले से उस खौफनाक मंजर को बयां करते हुए बताया, 'हम सब गहरी नींद में थे कि अचानक एक जोरदार धमाका हुआ। बस के अंदर हर तरफ अंधेरा था और लोग दर्द से चीख-चिल्ला रहे थे। आगे की सीटें पूरी तरह आपस में चिपक चुकी थीं। ऐसा लग रहा था कि कोई भी जिंदा नहीं बचेगा, लेकिन भगवान की कृपा रही कि हम पीछे की सीट पर होने के कारण बच गए।'

बालाजी ट्रेवल्स की बस में सवार थे वागड़ के यात्री:

जानकारी के अनुसार, यह हादसा 'बालाजी ट्रेवल्स' की स्लीपर बस में हुआ। बस में सवार अधिकांश लोग डूंगरपुर और बांसवाड़ा जिले के थे, जो मजदूरी और अन्य कार्यों के सिलसिले में गुजरात जा रहे थे। गुजरात प्रशासन ने राजस्थान के प्रशासनिक अधिकारियों को हादसे की सूचना दे दी है, जिसके बाद डूंगरपुर और बांसवाड़ा से मृतकों के परिजन व प्रशासनिक टीमें वडोदरा के लिए रवाना हो गई हैं। घायलों का उपचार वडोदरा के स्थानीय अस्पतालों में युद्धस्तर पर जारी है, जहां कुछ यात्रियों की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है।

मंदिरों की नगरी झरना महादेव में गुर्जर समाज की विशाल बैठक आयोजित, सोराम गुर्जर तीसरी बार अध्यक्ष निर्वाचित

स्मार्ट हलचल

मोड़ का निंबाहेड़ा। भीलवाड़ा जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल एवं मंदिरों की नगरी झरना महादेव में गुर्जर समाज आम चौकला की विशाल बैठक का आयोजन किया गया। झरना महादेव मंदिर परिसर में आयोजित इस बैठक में समाज के सैकड़ों लोगों ने भाग लिया।

बैठक में सर्वसम्मति से करजालिया निवासी एवं पूर्व सरपंच सोराम गुर्जर पुत्र चौथमल गुर्जर को लगातार तीसरी बार समाज का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। इसके अलावा उपाध्यक्ष पद पर चेना का खेड़ा निवासी माधुलाल कांगस एवं नारायणपुरा निवासी चतरालाल डोई को मनोनीत किया , हिसनियां निवासी हरफूल भड़ाना को कोषाध्यक्ष तथा कोरनास निवासी लादूलाल गुर्जर को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष सोराम गुर्जर ने समाजजनों को संबोधित करते हुए कहा कि मंदिर समिति समाज सुधार, शिक्षा, सेवा एवं संस्कारों के प्रसार को प्राथमिकता देगी। उन्होंने कहा कि गुर्जर समाज के प्रत्येक घर तक शिक्षा और संस्कारों का संदेश पहुंचाना तथा भव्य मंदिर निर्माण कार्य को आगे बढ़ाना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

बैठक के दौरान उपस्थित समाजजनों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का माला एवं साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में क्षेत्रभर से आए गुर्जर समाज के सैकड़ों महिला-पुरुष उपस्थित रहे और समाज की एकता एवं विकास के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

पीडब्ल्यूडी की सुस्ती से संकट में आस्था: मुंडला हनुमान मंदिर मार्ग पर 1 साल से बिछी है कंक्रीट, आए दिन लहूलुहान हो रहे बाइक सवार

होड़ा ग्राम से नहर तक तो बनी सीसी रोड, लेकिन मंदिर तक गिट्टी डालकर भूला ठेकेदार; हफ्तेभर बाद मानसून की दस्तक, बारिश में कीचड़ बनने और कंक्रीट बहने का सता रहा डर

स्मार्ट हलचल | लाडपुरा

सरकार एक तरफ जहां प्रदेश के धार्मिक स्थलों और ग्रामीण क्षेत्रों को सुगम सड़कों से जोड़ने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों की सुस्ती और ठेकेदारों की मनमानी के चलते धरातल पर राहगीरों व भक्तों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लाडपुरा क्षेत्र के सुप्रसिद्ध मुंडला हनुमान मंदिर (होड़ा) जाने वाले मुख्य मार्ग पर पिछले एक वर्ष से भक्त और ग्रामीण कंक्रीट और नुकीली गिट्टियों के बीच से गुजरने को मजबूर हैं। डामरीकरण का कार्य अटका होने से यह रास्ता अब हादसों का डेंजर जोन बन चुका है।

आधा काम कर गायब हुआ ठेकेदार, आए दिन फिसल रहे दोपहिया वाहन:

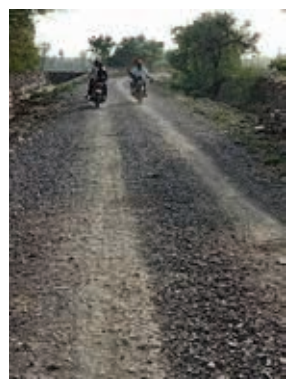

ग्रामीणों ने बताया कि होड़ा ग्राम से लेकर नहर तक तो सीसी सड़क (कंक्रीट रोड) का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है, जिससे राहगीरों को थोड़ी राहत मिली थी। लेकिन नहर से लेकर मुंडला हनुमान मंदिर तक सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा स्वीकृत डामरीकृत सड़क के नाम पर ठेकेदार ने सिर्फ कंक्रीट (गिट्टी) डालकर काम को अधर में छोड़ दिया है। बीते एक साल से इस मार्ग पर डामर की एक बूंद तक नहीं डाली गई है। उखड़ी हुई गिट्टियों और नुकीले पत्थरों के कारण इस मार्ग पर चलने वाले दोपहिया वाहन चालक आए दिन अनियंत्रित होकर फिसल रहे हैं और गंभीर रूप से चोटिल हो रहे हैं।

एक सप्ताह बाद वर्षा ऋतु का डर, कीचड़ में तब्दील हो जाएगा रास्ता:

क्षेत्रवासियों ने चिंता जताते हुए कहा कि करीब एक सप्ताह बाद क्षेत्र में वर्षा ऋतु (मानसून) का आगमन होने वाला है। यदि मानसून की पहली मूसलाधार बारिश शुरू हो गई, तो सड़क पर बिछाई गई यह कंक्रीट पानी के तेज बहाव में बहकर निकल जाएगी। इसके बाद पूरा रास्ता गहरे गड्ढों और दलदली कीचड़ में तब्दील हो जाएगा, जिससे हनुमान जी के मंदिर तक पहुंचने वाले भक्तों, पैदल यात्रियों और ग्रामीणों का यहां से गुजरना पूरी तरह दूभर हो जाएगा।

सरकार की मंशा पर पानी फेर रहे जिम्मेदार अधिकारी:

श्रद्धालुओं का कहना है कि मुंडला हनुमान जी के प्रति क्षेत्र के हजारों लोगों की अटूट आस्था है और हर मंगलवार व शनिवार को यहां भारी भीड़ जुटती है। लेकिन लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं की उदासीनता के कारण ठेकेदार बेलगाम बना हुआ है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और सार्वजनिक निर्माण विभाग के उच्चाधिकारियों से मांग की है कि मानसून की सक्रियता से पहले इस संवेदनशील मार्ग पर डामरीकरण का कार्य युद्धस्तर पर शुरू करवाकर पूर्ण किया जाए, ताकि भक्तों और राहगीरों को इस जानलेवा सफर से मुक्ति मिल सके।

छात्रों के बीच पहुंचे राहुल गांधी, कोटा में उमड़ा युवाओं का जनसैलाब

स्मार्ट हलचल | कोटा

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कोटा में आयोजित छात्र एवं युवा संवाद कार्यक्रम में भाग लेते हुए शिक्षा, रोजगार और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े मुद्दों पर युवाओं से संवाद किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और युवा शामिल हुए, जिससे आयोजन स्थल पर उत्साह का माहौल रहा।

राहुल गांधी ने अपने संबोधन में पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं और युवाओं के रोजगार जैसे विषयों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को बेहतर शिक्षा और निष्पक्ष अवसर मिलना चाहिए तथा उनकी आवाज को मजबूती से सुना जाना आवश्यक है।

कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी के मंच पर पहुंचते ही युवाओं ने उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। उपस्थित छात्रों ने शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं और रोजगार से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी।

कोटा देश की प्रमुख कोचिंग नगरी के रूप में जाना जाता है, जहां देशभर से लाखों विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आते हैं। ऐसे में राहुल गांधी का यह दौरा राजनीतिक और शैक्षणिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, छात्र संगठन प्रतिनिधि तथा स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे।

कार से 32 ग्राम स्मैक बरामद

तीन गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़। शंभुपुरा थाना पुलिस ने जिला विशेष टीम (डीएसटी) की सूचना पर कार्रवाई करते हुए कार में परिवहन की जा रही 32 ग्राम अवैध स्मैक जब्त कर तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत थानाधिकारी शंभुपुरा धर्मराज मीना द्वारा डीएसटी की सूचना पर नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान वहां पहुंची एक स्वीफ्ट कार को रुकवाया गया। पुलिस द्वारा कार में सवार व्यक्तियों से पूछताछ करने पर उन्होने अपने नाम ऊंचा निवासी आजाद खान (39) पिता छोटे खान पठान, रसीद खान (58) पिता अब्दुल गनी और वसीम खान (38) पिता रसीद खान होना बताया। पुलिस द्वारा तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 32 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई, जिसे कार सहित जब्त कर तीनों व्यक्तियों को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा स्मैक की खरीद फरोख्त के संबंध में विस्तृत अनुसंधान किया जा रहा है।

उक्त कार्यवाही में थानाधिकारी धर्मराज मीना के नेतृत्व में कांस्टेबल नरेश, मुकेश, रामकिशन, महेंद्र, योगेन्द्र और डीएसटी के हेड कांस्टेबल भूपेन्द्र सिंह, प्रमोद कुमार आदि शामिल रहे।

जोधपुर व बालोतरा के 207 वर्ग किमी क्षेत्र में 'रेयर अर्थ एलिमेंट्स' के अन्वेषण को हरी झंडी

स्मार्ट हलचल | जोधपुर/जयपुर

राजस्थान में खनिज संपदा के दोहन और दुर्लभ खनिजों की खोज की दिशा में भजनलाल सरकार ने एक ऐतिहासिक एवं बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में राज्य सरकार ने प्रदेश के दो प्रमुख जिलों में रेयर अर्थ एलिमेंट्स (दुर्लभ खनिज) के विस्तृत अन्वेषण को प्रशासनिक मंजूरी दे दी है। इस महत्वपूर्ण निर्णय के तहत जोधपुर जिले की शेरगढ़ तहसील के देवीगढ़ क्षेत्र और नवनिर्मित बालोतरा जिले के नवातला क्षेत्र में कुल 207.63 वर्ग किलोमीटर के विशाल भूभाग पर पूरी तरह वैज्ञानिक पद्धति से खनिज सर्वे और जियोलॉजिकल जांच की जाएगी। सरकार के इस

दूरदर्शी फैसले से प्रदेश में भविष्य में खनन तकनीक, भारी उद्योगों और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अभूतपूर्व अवसर विकसित होने की प्रबल उम्मीद जताई जा रही है।

लैब में होगी नमूनों की जांच, व्यावसायिक दोहन पर नजर:

विभागीय सूत्रों के अनुसार, जोधपुर जिले के देवीगढ़ क्षेत्र में लंबे समय से भूगर्भीय संभावनाओं को देखते हुए खनिज अन्वेषण की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। राज्य सरकार की उच्चस्तरीय स्वीकृति मिलने के बाद अब भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग (रस्डू) और संबंधित राज्य एजेंसियां धरातल पर उतरेंगी। इसके तहत चिन्हित इलाकों से भू-वैज्ञानिक सर्वे, मिट्टी के कोर सैम्पल और चट्टानों के विभिन्न नमूने एकत्र करने के साथ ही अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में उनकी सघन जांच का कार्य शुरू किया जाएगा। इन वैज्ञानिक अध्ययनों और डेटा एनालिसिस के आधार पर यह प्रामाणिक रूप से पता लगाया जाएगा कि क्षेत्र में रेयर अर्थ एलिमेंट्स की कुल उपलब्धता कितनी है और क्या उनका व्यावसायिक स्तर पर खनन (दोहन) संभव है या नहीं।

इलेक्ट्रिक व्हीकल, डिफेंस और मोबाइल इंडस्ट्री की बढ़ेगी ताकत:

खनिज विशेषज्ञों के अनुसार, रेयर अर्थ एलिमेंट्स ऐसे अत्यंत दुर्लभ खनिज होते हैं, जो पृथ्वी के भीतर बेहद सीमित मात्रा में ही पाए जाते हैं। इनमें कुल 17 प्रकार के विशिष्ट तत्व शामिल होते हैं, जिनमें मुख्य रूप से नियोडिमियम, लैंथेनम और सेरियम अग्रगण्य हैं। वर्तमान दौर में इन तत्वों का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों (श्वङ्क), मोबाइल फोन, सुपर कंप्यूटर, सोलर पैनल, पवन ऊर्जा के बड़े उपकरण, देश की रणनीतिक रक्षा प्रणाली और हाई-टेक इलेक्ट्रॉनिक उद्योगों में बहुत बड़े पैमाने पर कच्चे माल के रूप में किया जाता है। यही मुख्य कारण है कि वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर इन खनिजों की मांग दिनों-दिन लगातार बढ़ रही है।

ग्लोबल मैप पर चमकेगा राजस्थान:

यदि इस अन्वेषण के प्रारंभिक परिणाम सकारात्मक और उत्साहजनक आते हैं, तो आने वाले समय में यहां बड़े पैमाने पर खनन और रिफाइनिंग गतिविधियां शुरू हो सकेंगी। इससे न केवल स्थानीय युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर मिलेंगे, बल्कि औद्योगिक निवेश को भी एक नई और मजबूत गति मिलेगी। इसके साथ ही, राजस्थान देश के उन गिने-चुने और चुनिंदा राज्यों की विशिष्ट सूची में शामिल हो जाएगा, जहाँ आधुनिक वैश्विक तकनीक के लिए आवश्यक इन दुर्लभ खनिजों के प्रचुर भंडार उपलब्ध हैं। राज्य सरकार के इस फैसले को राजस्थान के आर्थिक, खनिज और औद्योगिक विकास की दिशा में एक 'गेम चेंजर' कदम माना जा रहा है।

शाहपुरा के बेगू रोड श्मशान घाट के हालात बदहाल, गंदगी और अव्यवस्थाओं से समाजजनों में भारी रोष, समाधान की मांग

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा शहर के बेगू रोड स्थित सार्वजनिक श्मशान घाट की हालत इन दिनों अत्यंत दयनीय और चिंताजनक बनी हुई है। वर्षों से उपेक्षा का शिकार यह महत्वपूर्ण स्थल गंदगी, अव्यवस्था और जंगली झाड़ियों की भरमार से जूझ रहा है। अंतिम संस्कार जैसे संवेदनशील कार्य के लिए आने वाले लोगों को यहां मूलभूत सुविधाओं के अभाव में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

श्मशान घाट परिसर में जगह-जगह गंदगी फैली हुई है तथा जंगली बबूल और झाड़ियां बड़ी संख्या में उग आई हैं। कई स्थानों पर रास्ते तक अवरुद्ध हो गए हैं, जिससे

परिसर असुरक्षित और अव्यवस्थित दिखाई देता है। बरसात के मौसम से पहले भी सफाई नहीं होने के कारण आमजन में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

स्थानीय खटीक समाज, जीनगर समाज, प्रजापत समाज, हरिजन समाज, धोबी समाज, कहार समाज एवं कोली समाज के लोगों ने बताया कि श्मशान घाट में लंबे समय से नियमित साफ-सफाई और रखरखाव नहीं किया गया है। अंतिम संस्कार में शामिल होने वाले दागियों एवं परिजनों के बैठने के लिए पर्याप्त छाया, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं का भी अभाव है। गर्मी और बरसात के मौसम में यह समस्या और अधिक गंभीर हो

जाती है।

प्रतिनिधि संदीप जीनगर ने कहा कि श्मशान घाट जैसी सार्वजनिक और संवेदनशील जगह पर नियमित सफाई एवं रखरखाव होना आवश्यक है, लेकिन प्रशासनिक उदासीनता के चलते यहां की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। गंदगी और झाड़ियों के कारण दुर्गंध फैल रही है तथा बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है।

स्थानीय समाजजनों का कहना है कि श्मशान घाट केवल अंतिम संस्कार का स्थल नहीं, बल्कि दिवंगत आत्माओं को अंतिम विदाई देने का पवित्र स्थान है। ऐसे स्थल की दुर्दशा प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करती है।

समाजजनों की प्रमुख मांगें

श्मशान घाट परिसर की तत्काल व्यापक सफाई करवाई जाए। जंगली बबूल एवं झाड़ियों को हटाया जाए। दागियों एवं परिजनों के बैठने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की जाए। नियमित सफाई एवं रखरखाव की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। पेयजल, प्रकाश एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। स्थानीय लोगों ने नगर परिषद एवं प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन के खिलाफ व्यापक जनआंदोलन किया जा सकता है।

राजस्थान ग्रामीण बैंक के भीलवाड़ा क्षेत्रीय कार्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित, 20 यूनिट रक्त संग्रहित

स्मार्ट हलचल

आसीन्द। राजस्थान ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, भीलवाड़ा में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में भीलवाड़ा क्षेत्र के अधीन आने वाली विभिन्न शाखाओं के स्टाफ सदस्यों ने पूरे उत्साह और हर्षोल्लास के साथ भाग लिया।

शिविर के दौरान उपस्थित स्टाफ को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय प्रबंधक ए.के. दुग्गल ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला और इसे एक महादान बताया। वहीं, मुख्य प्रबंधक रमन गुप्ता, वरिष्ठ प्रबंधक (परिचालन) उज्ज्वल परिहार एवं वरिष्ठ प्रबंधक (व्यवसाय) प्रमोद सैनी ने सभी कर्मचारियों को सामाजिक सरोकार निभाते हुए

नियमित अंतराल पर रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया।

20 यूनिट रक्त का हुआ संग्रहण

बैंक स्टाफ के उत्साहवर्धक सहयोग से शिविर में कुल 20 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्त संग्रहण का यह कार्य महात्मा गांधी अस्पताल की ब्लड सेंटर टीम द्वारा किया गया, जिन्होंने शिविर के सफल संचालन में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। इस सेवा कार्य के दौरान बैंक स्टाफ के राहुल अग्रवाल, भावेश कुमार, अंकित मथुरिया सहित कई अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक स्व. भंवर लाल जोशी की तृतीय पुण्यतिथि पर सेवा कार्यों की सरिता

त्रिवेणी संगम पर स्वच्छता, महादेव का अभिषेक और 501 फलदार पौधे लगाने का संकल्प

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। क्षेत्र के प्रखर राजनेता, पूर्व विधायक तथा श्री जोगणिया माता संस्थान के यशस्वी संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय भंवर लाल जोशी की तृतीय पुण्यतिथि के पावन अवसर पर संपूर्ण क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक, पर्यावरण और धार्मिक कार्यक्रमों का श्रद्धापूर्वक आयोजन किया गया। इस पुनीत अवसर पर संस्थान के पदाधिकारियों, पूज्य संतों और आमजन ने स्वर्गीय जोशी द्वारा समाज हित में किए गए ऐतिहासिक कार्यों को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

त्रिवेणी संगम पर स्वच्छता अभियान और महादेव का अभिषेक:

पुण्यतिथि के पुण्य अवसर पर कार्यक्रमों की शुरुआत मेवाड़ के पवित्र तीर्थ त्रिवेणी संगम से हुई। जहाँ सर्वप्रथम संस्थान के सदस्यों व ग्रामीणों द्वारा 'घाट स्वच्छता अभियान' चलाकर व्यापक स्तर पर श्रमदान किया गया। इसके पश्चात नदी के पवित्र जल में जलीय जीवों व मछलियों को खाद्य पदार्थ (दाना) अर्पित किया गया। धार्मिक शृंखला के अंतर्गत त्रिवेणी महादेव मंदिर में भगवान शिव का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष पंचामृत अभिषेक किया गया तथा भव्य आरती का आयोजन हुआ। आरती में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने महादेव से स्वर्गीय जोशी की दिव्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान और सद्गति प्रदान करने हेतु सामूहिक प्रार्थना की।

जोगणिया माता शक्तिपीठ में पाटोत्सव का समापन और छायाचित्र पर पुष्पांजलि:

इसके साथ ही, प्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री जोगणिया माता शक्तिपीठ में चल रहे भव्य पाटोत्सव के समापन के अवसर पर माताजी की विशेष पूजा-अर्चना व महाआरती की गई। तत्पश्चात संस्थान के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित मुख्य श्रद्धांजलि सभा में संस्थान के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय भंवर लाल जोशी के छायाचित्र पर पुष्प व मालाएं अर्पित कीं तथा दो मिनट का मौन रखकर महापुरुष को नमन किया।

पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल: ठुकराई चौराहे से श्रीनगर तक लगेंगे 501 पौधे:

श्रद्धांजलि सभा के बाद स्वर्गीय जोशी की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए पर्यावरण संरक्षण का एक बड़ा और ऐतिहासिक संकल्प लिया गया। संस्थान के अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी ने बताया कि संस्थान द्वारा ठुकराई चौराहे से लेकर श्री नगर तक मुख्य सड़क के दोनों ओर 501 फलदार वृक्ष लगाने का संकल्प लिया गया है। इन पौधों को आगामी एक सप्ताह बाद शुरू होने वाली वर्षा ऋतु के दौरान क्रमबद्ध तरीके से लगाया जाएगा और इनके पूर्ण रूप से ट्री-गार्ड व देखरेख (संभाल) की पुख्ता व्यवस्था संस्थान द्वारा की जाएगी।

पूज्य संतों व गणमान्य नागरिकों की रही गरिमामय उपस्थिति:

इस गरिमामय और पुनीत अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी, मेड़केश्वर महादेव के महंत नंदकिशोर दास महाराज, कन्हैया लाल मेवाड़ा, रमेश गुर्जर, सूरजमल गुर्जर, सीताराम धाकड़, लक्ष्मण धाकड, दिनेश सनाढ्य, डॉ. श्याम बिहारी दिनकर, महेंद्र सोलंकी, महेश सोनी, प्यारचंद सोनी, सांवरमल शर्मा, नारायण लाल शर्मा, राजभगत सिंह राठौड़, कन्हैया लाल जैन, रामप्रसाद वैष्णव, गोपाल पालीवाल, रामेश्वर लाल गुर्जर एवं वेद विद्यालय के बटुक जन सहित बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

विप्र महाकुंभ में सामूहिक उपनयन संस्कार, कलश यात्रा एवं महासम्मेलन का आयोजन

स्मार्ट हलचल

बिजयनगर। विप्र फाउंडेशन जोन 1एफ अजमेर के तत्वावधान में कृषि उपज मंडी प्रांगण, बिजयनगर में प्रतिस्थापना समारोह 2026 एवं विशाल विप्र महाकुंभ का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम परम पूज्य स्वामी प्रखर महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के तहत सामूहिक यज्ञोपवीत (उपनयन) संस्कार, महासभा, स्वागत-सम्मान समारोह, भव्य शोभायात्रा, कलश यात्रा, महाआरती एवं महा ब्रह्मभोज का आयोजन किया गया। कलश यात्रा में हजारों महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भाग लिया। यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों एवं मुख्य बाजारों से होकर पुनः कृषि उपज मंडी प्रांगण पहुंची।

धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण में आयोजित इस महाकुंभ में समाज के वरिष्ठजनों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं विप्रजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सम्मेलन में ब्राह्मण समाज की एकता, संस्कृति, परंपरा एवं सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया। अंत में जोन अध्यक्ष नवीन शर्मा ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

पात्रता नियमों के विरोध में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ कल कलेक्ट्रेट पर देगा धरना, कलेक्टर को सौंपेंगे ज्ञापन

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान (विद्यालय शिक्षा) जिला भीलवाड़ा के तत्वावधान में 18 जून को अपनी विभिन्न न्यायोचित मांगों को लेकर एक बड़ा आंदोलन खड़ा किया जा रहा है। महासंघ द्वारा गुरुवार प्रातः 11:30 बजे जिला कलेक्ट्रेट के सामने विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। प्रदर्शन के पश्चात देश के प्रधानमंत्री एवं शिक्षा मंत्री (भारत सरकार) के नाम जिला कलेक्टर को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस आंदोलन और धरने में भीलवाड़ा जिले भर से बड़ी संख्या में शिक्षक और संगठन के कार्यकर्ता भाग लेंगे।

यह पूरा ज्ञापन और धरना कार्यक्रम भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष श्री सुरेश चंद्र बड़वा की अध्यक्षता में आयोजित होगा। कार्यक्रम में अखिल भारतीय प्रतिनिधि श्रीमती सुषमा विश्नोई एवं चित्तौड़ प्रांत संगठन मंत्री श्री कैलाश चंद्र सुथार का विशेष सानिध्य व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आंदोलन को लेकर संगठन द्वारा सभी स्तरों पर तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

दशकों से सेवा दे रहे शिक्षकों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं:

महासंघ के जिला मंत्री श्री ईश्वर सिंह चौधरी ने सांगठनिक रुख स्पष्ट करते हुए बताया कि वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों की नियुक्तियां उस समय प्रभावी नियमों एवं पात्रताओं के अनुरूप पूर्णतः वैध थीं। अब इतने वर्षों बाद किसी नए पात्रता अथवा योग्यता मानदंडों को पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर पीछे की तारीख (पूर्व प्रभाव) से लागू करना किसी भी सूरत में न्यायोचित नहीं है। दशकों से शिक्षा विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे इन अनुभवी शिक्षकों के कार्य, कार्यकुशलता एवं राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को समुचित महत्व दिया जाना चाहिए। लाखों शिक्षकों एवं उनके परिवारों के भविष्य को अनिश्चितता में डालना शिक्षा व्यवस्था की स्थिरता एवं शिक्षकों के मनोबल दोनों को प्रभावित करेगा। उन्होंने कहा कि संसद एवं केंद्र सरकार को इस गंभीर विषय पर आवश्यक विधायी अथवा नीतिगत हस्तक्षेप कर इस शिक्षक वर्ग को उचित संरक्षण प्रदान करना चाहिए।

चरागाह भूमि संरक्षण हेतु सूचना बोर्ड स्थापित

स्मार्ट हलचल

गुरला। गौचर बचाओ फाउंडेशन द्वारा राजस्थान की अमूल्य चरागाह (गौचर) भूमि के संरक्षण एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से आज ग्राम गुरला, बासंडा, समोडी ओर केवाडा में चरागाह भूमि संरक्षण सूचना बोर्ड स्थापित किये गये। इस अवसर पर फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक गोटू सिंह मंगलपुरा,कालू रेबारी,लादू लोहार, एम एल कुमावत,एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि चरागाह भूमि ग्रामीण क्षेत्र की महत्वपूर्ण सार्वजनिक संपत्ति है, जो गौवंश एवं अन्य पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था का प्रमुख स्रोत है। वर्तमान समय में अनेक स्थानों पर चरागाह भूमि पर अतिक्रमण एवं अवैध उपयोग की घटनाएं सामने आ रही हैं,

जिससे पशुधन एवं पर्यावरण दोनों प्रभावित हो रहे हैं, इस तरह के 11 हजार बोर्ड भीलवाड़ा जिले में स्थापित किए जाएंगे जिससे चारागाह भूमि अतिक्रमण मुक्त हो पाएगी।

सूचना बोर्ड पर संबंधित चरागाह भूमि का खसरा नंबर, क्षेत्रफल एवं अन्य आवश्यक विवरण अंकित किए गए हैं, जिससे आमजन को भूमि की वास्तविक स्थिति की जानकारी मिल सके तथा अतिक्रमण की संभावनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। साथ ही बोर्ड पर क्यूआर कोड एवं जनसहयोग की अपील भी प्रदर्शित की गई है।

गौचर बचाओ फाउंडेशन ने आमजन से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र की चरागाह भूमि की सुरक्षा एवं संरक्षण में सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार के अतिक्रमण या अवैध गतिविधि की जानकारी संबंधित प्रशासन एवं फाउंडेशन को दें।

फाउंडेशन का लक्ष्य राजस्थान के प्रत्येक गांव में चरागाह भूमि की पहचान कर सूचना बोर्ड स्थापित करना है, जिससे हजारों बीघा गौचर भूमि को सुरक्षित रखा जा सके और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित हो सके।

23 जून को ग्रामीण हाट बाजार में आयोजित होगा युवा संबल मेला

रोजगार, स्वरोजगार एवं कौशल विकास से जुड़ने का मिलेगा अवसर

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा (भीलवाड़ा)। जिला प्रशासन भीलवाड़ा एवं रोजगार विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार तथा कौशल विकास के अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से 'युवा संबल मेला' का आयोजन 23 जून 2026 को किया जाएगा।

उपनिदेशक रोजगार विभाग मुकेश गुर्जर ने बताया कि मेला ग्रामीण हाट बाजार, भीलवाड़ा में प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा। मेले में निजी क्षेत्र की विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही युवाओं को स्वरोजगार योजनाओं एवं कौशल विकास प्रशिक्षण संबंधी जानकारी प्रदान की जाएगी।

जिला प्रशासन ने जिले के अधिकाधिक युवाओं से मेले में भाग लेकर रोजगार एवं स्वरोजगार संबंधी अवसरों का लाभ उठाने की अपील की है। इच्छुक अभ्यर्थी पोस्टर पर उपलब्ध क्यूआर कोड स्कैन कर पूर्व पंजीकरण भी कर सकते हैं।

सास-बहू की रैंप वॉक में झलका रिश्तों का अपनापन, मांडना कला और अंताक्षरी ने बांधा समां

महेश नवमी महोत्सव: विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन, विजेताओ को किया पुरस्कृत

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। श्रीनगर सभा के तत्वावधान में नगर माहेश्वरी महिला संस्थान द्वारा आयोजित महेश नवमी महोत्सव की रचनात्मक प्रतियोगिताओं के तृतीय दिवस विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नगर अध्यक्षा वीणा मोदी ने बताया कि महोत्सव का उद्देश्य समाज में पारिवारिक मूल्यों, संस्कृति एवं आपसी सौहार्द को बढ़ावा देना है। सचिव विनीता तोष्णीवाल के अनुसार सभी प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 'सास और बहू-रिश्तों की रैंप वॉक' प्रतियोगिता में सास-बहू की जोड़ियों ने प्रेम, सम्मान और आपसी सामंजस्य की सुंदर प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया प्रतियोगिता की मुख्य प्रभारी अनु मोदी, नीलम दरगड़ एवं चेतना जागेटिया रहीं तथा संयोजन संजय कॉलोनी महिला संगठन की अध्यक्ष अनुपमा मंत्री एवं सचिव मधु हिंगड़ द्वारा किया गया। प्रथम सुधा असावा-सलोनी असावा द्वितीय सरोज सोमानी शिल्पा सोमानी, तृतीय मीना जेथलिया मनीषा जेथलिया रहे। 'नारी मांडना (अल्पना)-पारंपरिक कला की ओर' प्रतियोगिता में 40 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन करते हुए पारंपरिक मांडना कला के आकर्षक स्वरूप प्रस्तुत

किए। प्रतियोगिता की मुख्य प्रभारी रेखा लढा, गायत्री मुंदड़ा एवं मधु जाजू रहीं तथा संयोजन शास्त्री नगर महिला संगठन की अध्यक्ष रेखा धूत एवं सचिव विनीता तापड़िया द्वारा किया गया। प्रथम नीलू मालू, द्वितीय सुनीता कास्ट ,तृतीय डिंपल काबरा 'गूंजे सुर, खिलें मुस्कान - मिले सुर मेरा तुम्हारा' अंताक्षरी प्रतियोगिता 13 क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठनों के मध्य आयोजित की गई। सभी टीमों ने शानदार गीतों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतिभागियों की आकर्षक वेशभूषा एवं ड्रेस कोड कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहे। अंताक्षरी में प्रथम आजाद नगर, द्वितीय शास्त्री नगर तथा तृतीय सुभाष नगर रही। मुख्य प्रभारी सुमन सोनी ने पूरे कार्यक्रम का अत्यंत सुंदर एवं व्यवस्थित संचालन किया, जिससे प्रतियोगिता रोमांचक और आनंदमय बनी रही। गीत-संगीत से सजे इस आयोजन का सभी ने भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में आज के मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा कोगटा, प्रदेश उपाध्यक्ष मोना डाड, राधे श्याम चेचानी, कैलाश कोठारी, अशोक बाहेती सत्यनारायण डाड, राजेंद्र कचोलिया, दिलीप तोषनीवाल, केदार जागेटिया, सुरेश बिरला, प्रहलाद नुवाल, केजी राठी, गोपाल नराणीवाल सभी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कैलाश कोठारी ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए आयोजन की सराहना की। और अपनी और से सभी प्रतियोगियो को विशेष पुरस्कार दिया। अंत में संस्थान पदाधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों, प्रभारियों, संयोजकों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। महोत्सव के तृतीय दिवस के कार्यक्रमों ने संस्कृति, कला, संगीत और पारिवारिक रिश्तों की सुंदर छटा बिखेरते हुए समाजजनों का भरपूर मनोरंजन किया।

जहाजपुर में महाराणा प्रताप की 486 वीं जन्म जयंती मनाई

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। पीपलूंद। जहाजपुर उपखंड कस्बे में एकलिंग दीवान, हिंदुआ सूरज एवं वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप सिंह की 486 वीं जन्मोत्सव जन्म जयंती जहाजपुर में अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं भव्यता एवं धूमधाम के साथ मनाई गई। महाराणा प्रताप युवा संस्थान के सचिव महेन्द्र खटीक ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ बागर के बालाजी जहाजपुर बस स्टैंड से विशाल शोभायात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। शोभायात्रा में दांतड़ा पीठाधीश्वर पूज्य स्वामी निर्मलराम जी महाराज एवं जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा के सानिध्य में प्रारंभ हुई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, युवा एवं आमजन शामिल हुए। आकर्षक झांकियों, देशभक्ति एवं शौर्य गीतों तथा मधुर स्वर लहरियों के बीच श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा का समापन नौ चौक महाराणा प्रताप उद्यान में स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके पश्चात पीएम श्री महाराणा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शौर्य सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूज्य स्वामी निर्मलराम जी महाराज, विधायक गोपीचंद

मीणा, संस्थान के संरक्षक देवकिशन स्वर्णकार, मोहन सिंह कानावत, संस्थान अध्यक्ष सत्यनारायण पारीक, एवं मेवाड़ क्षत्रिय महासभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह राणावत के सानिध्य में शौर्य सभा की शुरुआत हुई।

सभा के शुभारंभ में महाराणा प्रताप स्मृति संस्थान के प्रधान संरक्षक रहे स्वर्गीय मेजर केसर सिंह शक्तावत के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। संस्थान अध्यक्ष सत्यनारायण पारीक, कुलदीप सिंह राणावत एवं मोहन सिंह कानावत ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में श्रीमती मुकुट रेगर एवं कवि वैभव भल्लार ने अपनी ओजस्वी शौर्य कविताओं की प्रस्तुति देकर वीर रस का संचार किया। महाराणा प्रताप स्मृति संस्थान के संयोजक वेदप्रकाश खटीक ने जहाजपुर खेल स्टेडियम का नाम 'महाराणा प्रताप खेल स्टेडियम' किए जाने की मांग रखी। इस पर विधायक गोपीचंद मीणा ने सभा को संबोधित करते हुए घोषणा की कि खेल स्टेडियम का नाम महाराणा प्रताप खेल स्टेडियम किया जाएगा। साथ ही मेवाड़ क्षत्रिय सभा को नगरपालिका क्षेत्र में रियायती दर पर भूखंड उपलब्ध कराने की भी घोषणा की। अपने उद्बोधन में विधायक गोपीचंद मीणा ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान एवं त्याग की प्रेरणा देता है तथा यह आयोजन क्षेत्र में एक मिसाल स्थापित करेगा। दांतड़ा पीठाधीश्वर पूज्य स्वामी निर्मलराम जी महाराज ने कहा कि महाराणा प्रताप की जयंती सम्पूर्ण हिन्दू समाज में ऊर्जा एवं जागरण का संचार करती है। उन्होंने समाज को एकता एवं संगठन का संदेश देते हुए कहा कि सनातन संस्कृति सदैव बनी रहेगी। इस कार्यक्रम का संचालन नरेन्द्र सिंह राणावत ने किया।

इस दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष महेन्द्र खटीक, प्रधान प्रतिनिधि किशोर शर्मा, देवकिशन स्वर्णकार, रामकुंवार सर्राफ, रामप्रसाद टांक, हनुमान सिंह राणावत, बनवीर सिंह राणावत, निपेन्द्र सिंह राणावत, प्रवीण खटीक, पवन वैष्णव (मनोहरपुरा), दीपक टांक, भंवर पंचोली, शिवराज टांक, ललित पारीक सहित इत्यादि गणमान्य नागरिक एवं समाजजन मौजूद रहे।

तेयुप भीलवाड़ा के अध्यक्ष चुने गए मनोज दक: बादल मेहता को 62 मतों से हराया

वार्षिक अधिवेशन में आय-व्यय का ब्यौरा पेश, परिषद से विदा होने वाले 34 युवाओं का हुआ भव्य सम्मान; सभा अध्यक्ष अशोक सिंघवी ने युवाओं से किया संघ सेवा का आह्वान

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

तेरापंथ धर्मसंघ की सुप्रसिद्ध संघीय संस्था तेरापंथ युवक परिषद (तेयुप) भीलवाड़ा के आगामी कार्यकाल के अध्यक्ष पद के लिए लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनाव संपन्न हुए। इस बेहद रोमांचक मुकाबले में मनोज दक ने 62 मतों के बड़े अंतर से ऐतिहासिक जीत हासिल कर अध्यक्ष पद पर अपना परचम लहराया है। चुनाव परिणाम घोषित होते ही परिषद के सदस्यों और समर्थकों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष का माल्यार्पण कर और गगनभेदी जयघोषों के साथ भव्य स्वागत किया।

286 मतदाताओं ने किया मतदान, निष्पक्ष रही पूरी प्रक्रिया:

तेरापंथ युवक परिषद के पूर्व

अध्यक्ष अमित महता ने चुनाव के आंकड़ों की जानकारी देते हुए बताया कि इस बार चुनाव में परिषद के कुल 286 मतदाताओं ने पूरे उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतों की गिनती के बाद मनोज दक को 174 मत प्राप्त हुए, जबकि उनके प्रतिद्वंदी बादल मेहता को 112 मत मिले। इस प्रकार मनोज दक ने 62 मतों से विजय श्री प्राप्त की। इस पूरी चुनावी प्रक्रिया को मुख्य चुनाव अधिकारी सुनील बनवट एवं संपत कोठारी की देखरेख में पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न कराया गया। चुनाव के दौरान अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद की ओर से मनोनीत पर्यवेक्षक तुषार सुराना, हिमांशु रांका सहित अभातेयुप सदस्य कुलदीप मारू एवं अभिषेक आंचलिया विशेष रूप से उपस्थित रहे।

एकता और संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प:

नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनोज दक ने अपनी इस ऐतिहासिक जीत पर परिषद के सभी वरिष्ठ जनों, युवा साथियों और समर्थकों का सहृदय आभार व्यक्त किया। उन्होंने संकल्प जताते हुए कहा कि वे संगठन की गरिमा, सामाजिक एकता और परिषद की सेवा गतिविधियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए धर्मसंघ के सिद्धांतों पर चलते हुए सभी साथियों को एक साथ लेकर कार्य करेंगे।

अधिवेशन में रखा आय-व्यय का लेखा-जोखा, 34 युवा साथियों की हुई विदाई:

परिषद के चुनाव से ठीक पहले तेयुप का वार्षिक अधिवेशन गरिमामय माहौल में आयोजित किया गया। अधिवेशन की शुरुआत में निवर्तमान अध्यक्ष ने पधारे हुए सभी सदस्यों का आत्मीय स्वागत किया। इसके पश्चात परिषद के मंत्री ने वर्षभर आयोजित की गई रचनात्मक, सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों का विस्तृत ब्यौरा सदन के समक्ष प्रस्तुत किया। वहीं कोषाध्यक्ष सुनील श्रीश्रीमाल ने परिषद के आय-व्यय का संपूर्ण पारदर्शी विवरण सभी सदस्यों के सामने रखा।

अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित तेरापंथ सभा के भीलवाड़ा अध्यक्ष अशोक सिंघवी ने युवाओं को संबोधित करते हुए उन्हें पूर्ण निष्ठा, समर्पण और युवा ऊर्जा के साथ संघ व समाज की सेवा में जुटने का आह्वान किया। परिषद के नियमानुसार आयु पूर्ण कर रिटायर होने वाले 34 वरिष्ठ युवा साथियों का इस अवसर पर संस्थान की ओर से भावभीना सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी जनों का आभार सुधीर दक ने व्यक्त किया।

भाजपा नगर कार्यकारिणी ने मनाया महाराणा प्रताप जयंती जन्मोत्सव

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल शाहपुरा द्वारा बुधवार को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष पंकज सुगंधी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में नगर कार्यकारिणी, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने महाराणा प्रताप स्मारक पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर वक्ताओं ने महाराणा प्रताप के अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान और त्याग को स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उपस्थित जनों ने महाराणा प्रताप के बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री अविनाश जिनगर, विधानसभा संयोजक शिवराज कुमार कुमावत, सहसंयोजक बजरंग सिंह राणावत, नगर महामंत्री जितेंद्र पाराशर, राजाराम पोरवाल, प्रमोद छिपा, सुरेश मुन्दड़ा, चीनू बैरागी, डॉ. जलदीप पथिक, मोहन रेगर, विक्रम सैनी, सुनीता बलाई, सोनाली पोरवाल, ममता गारू सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप जयंती पर कांग्रेसजनों ने अर्पित की पुष्पांजलि: जाड़ावत बोले– प्रताप का जीवन संघर्ष और स्वाभिमान की अमिट गाथा

शहर व ग्रामीण कांग्रेस के तत्वावधान में प्रताप सर्किल पर आयोजित हुआ गरिमामय कार्यक्रम, प्रताप के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

वीरता, शौर्य, अद्वितीय साहस, त्याग और स्वाभिमान के अमर प्रतीक वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती के पावन अवसर पर शहर एवं ग्रामीण कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में एक गरिमामय पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत के नेतृत्व में बुधवार को प्रातः 9:30 बजे प्रताप सर्किल स्थित शहीद स्मारक (जिला कलेक्टर निवास के सामने) पर आयोजित इस कार्यक्रम में कांग्रेस पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं निष्ठावान कार्यकर्ताओं ने शिरकत की।

पुष्पांजलि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन संघर्ष, स्वाभिमान और अदम्य राष्ट्रप्रेम की एक अमिट गाथा है। उन्होंने भीषण संकट और विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों, मातृभूमि की रक्षा और स्वतंत्रता से कभी कोई समझौता नहीं किया। उनका त्याग और राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत जीवन आज भी देशवासियों, विशेषकर युवा पीढ़ी के लिए एक महान प्रेरणास्रोत है।

प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया नमन, लिया राष्ट्रहित का संकल्प:

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित समस्त कांग्रेसजनों ने महाराणा प्रताप जी की भव्य प्रतिमा पर श्रद्धापूर्वक पुष्प एवं मालाएं अर्पित कर उन्हें कोटि-कोटि नमन किया। इस दौरान उनके अद्वितीय साहस, अटूट राष्ट्रभक्ति और मातृभूमि के प्रति सर्वस्व समर्पण को स्मरण किया गया। अंत में सभी उपस्थित जनों ने महाराणा प्रताप जी के पदचिन्हों और आदर्शों पर चलते हुए समाज व राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करने का सामूहिक संकल्प लिया।

कार्यक्रम में यह वरिष्ठ जन रहे उपस्थित

इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रेम प्रकाश मूंदड़ा, शहर अध्यक्ष अनिल सोनी, प्रदेश सचिव रणजीत लोठ, पूर्व सभापति रमेशनाथ योगी, उप सभापति कैलाश पंवार, जिला उपाध्यक्ष अभिमन्यु सिंह जाड़ावत, जिला महामंत्री कमल गुर्जर, जिला महामंत्री प्रमोद सिंह तँवर, जिला प्रवक्ता राजेश सोनी, जिला सचिव गजानन्द शर्मा, जिला सचिव नरेन्द्र विजयवर्गीय, एससी विभाग संभाग प्रभारी देवेंद्र दयाल सालवी, जिला अध्यक्ष राकेश घारू, शैलेन्द्र सिंह राव, शहर महामंत्री शंभुलाल प्रजापत, शहर सचिव मनीष चावला, नवीन जैन, शंकर सेन, अजय मल्होत्रा, गजेन्द्र सिंह भाटी, रमेश सेन, कानसिंह बराड़ा, राजकुमार गुर्जर, मोहन न्याति, राहुल छिपा, शिवरतन सोनी, शम्भू लाल भील, संजय राव मानपुरा एवं गौरव मेड़तवाल सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व अग्रिम संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रताप जयंती पर रक्तदान कर दिया मानवता का संदेश

स्मार्ट हलचल| छोटीसादड़ी

वीर शिरोमणि एवं राष्ट्र गौरव महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर बुधवार को नगर एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में नया बस स्टैंड स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलन कर श्रद्धा एवं सम्मान के साथ जयंती मनाई गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व प्रधान मनोहरलाल आंजना ने महाराणा प्रताप के शौर्य, पराक्रम, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति को स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन आज भी देशवासियों को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने तथा मातृभूमि की रक्षा के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के आदर्श और त्याग आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे।

इस अवसर पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष अमृतलाल बंडी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश जाट, हरीश आंजना एजुकेशन सोसायटी के सचिव डॉ. जगन्नाथ सोलंकी, नगर कांग्रेस महासचिव नरेंद्र राव मराठा, पूर्व पार्षद अरविंद नाहर, नगर कांग्रेस उपाध्यक्ष अजय कुमार यादव, भरत खटीक, सुरेश जटिया, सरपंच जगदीश प्रसाद मीणा, बंशीलाल मीणा, पूर्व सरपंच कमलेश टांक, पार्षद प्रतिनिधि प्रेम तेली, प्रदीप आमेटा, अनिल शर्मा उर्फ कालीचरण, बसंतीलाल यादव, अशोक देवड़ा, मोनू बन्ना, ओमप्रकाश शर्मा उर्फ टीटू, महिपाल साहू, पारस बंडी, देवा उपाध्याय, प्रवीण मीणा, मथरालाल इंदौरा, आलेख डुग्गू, अरुण यादव, युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष अभिषेक नागौरी बबलू, टोनू बन्ना, मानवेंद्र सिंह झाला, राकेश यादव, देवीलाल खटीक, लक्की जायसवाल, देवीलाल मेघवाल, लोकेश जायसवाल, मुकेश यादव, राजेंद्र यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि, कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जयंती कार्यक्रम के उपरांत सभी अतिथियों ने आयोजित रक्तदान शिविर का अवलोकन किया तथा स्वयं रक्तदान कर समाज में सेवा, सहयोग और मानवता का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि रक्तदान महादान है तथा प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान कर जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए।

कार्यक्रम का समापन 'महाराणा प्रताप अमर रहें' एवं 'भारत माता की जय' के उद्घोष के साथ हुआ। उपस्थित जनों ने महाराणा प्रताप के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए राष्ट्रहित एवं समाजहित में कार्य करने का संकल्प भी लिया।

हिन्दुस्तान जिंक के शिक्षा संबल समर कैंप का समापन, 250 से अधिक विद्यार्थियों को मिला लाभ

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

हिन्दुस्तान जिंक द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से संचालित शिक्षा संबल ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन समारोह जिंक नगर स्थित एक्जीक्यूटिव क्लब में आयोजित किया गया। समारोह में जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में हिन्दुस्तान जिंक द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। समर कैंप विद्यार्थियों के ग्रीष्मकालीन अवकाश के सदुपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो बच्चों के भविष्य की मजबूत नींव तैयार करता है। उन्होंने कहा कि देश को आगे बढ़ाने के लिए नई पीढ़ी में निवेश करना आवश्यक है तथा विद्यार्थियों में जिज्ञासा, सीखने की इच्छा और चुनौतियों का सामना करने का साहस होना चाहिए।

हिन्दुस्तान जिंक के चंदेरिया स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स के ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस शिविर में जिले के 17 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 250 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। शिविर में गणित, विज्ञान और अंग्रेजी विषयों के साथ-साथ खेलकूद, योग, कला, सांस्कृतिक गतिविधियों तथा व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान दिया गया।

समारोह में चंदेरिया स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स के लोकेशन हेड आलोक रंजन ने विद्यार्थियों को शिक्षा संबल, ऊंची उड़ान एवं अन्य सीएसआर योजनाओं की जानकारी देते हुए अनुशासन, आत्मविश्वास और संवाद कौशल के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से शिविर में प्राप्त ज्ञान को जीवन में अपनाने और सफलता के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया। समापन समारोह में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं और अपने अनुभव साझा किए। उत्कृष्ट उपस्थिति एवं प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में सीडीईओ प्रमोद दशोरा, अतिरिक्त निदेशक पशुपालन विभाग सुमेर सिंह, सीएसआर हेड सुंदरराज, सीएसओ जी मल्लेशम, मनीषा भाटी, योगेश वर्मा, सुभाष शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

होलिरड़ा में राम-जानकी व तेजाजी महाराज की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा एवं तेजाजी व बालाजी मंदिर पर स्वर्ण कलश स्थापना के साथ महायज्ञ की हुई पूर्णाहुति

गांव में देखने को मिला भक्ति, आस्था और श्रद्धा का संगम

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सवाईपुर क्षेत्र के होलिरड़ा गांव में मूर्ति व कलश स्थापना महोत्सव को लेकर नौ दिवसीय सप्त कुण्डिय श्री राम महायज्ञ के नवें दिन बुधवार को राम-जानकी व तेजाजी महाराज की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा एवं तेजाजी महाराज के शिखर व बालाजी मंदिर पर स्वर्ण कलश स्थापना के साथ महायज्ञ की पूर्णाहुति हुई । ग्रामीणों ने बताया कि चारभुजानाथ मंदिर में श्री राम व जानकी जी की मूर्ति स्थापना, श्री हनुमानजी मंदिर पर कलश स्थापना एवं श्री वीर तेजाजी महाराज के नवनिर्मित मंदिर पर कलश और लीलण घोड़ी की स्थापना के उपलक्ष में नौ दिवसीय सप्त कुण्डिय श्री राम महायज्ञ की शुरूआत मंगलवार को भव्य कलश यात्रा व प्रभात फेरी के साथ हुई । हनुमान जी की गदा की बोली 31 हजार 500 रुपए लादू लाल पिता नन्दलाल जाट ने लगाई । वही तुलसी माता के प्यार जितिया से भेरूलाल वैष्णव के यहां से मेरा लेकर आए जिनका ग्रामीण स्वागत सत्कार किया । यज्ञाचार्य गोपाललाल भट्ट दोवनी ने बताया कि नवें दिन बुधवार को प्रातः 5:15 बजे स्थापित देवी देवताओं की पूजन एवं हवन किया गया । वही प्रातः 8:21 बजे चारभुजा नाथ मंदिर में पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान राम-जानकी जी और तेजाजी मंदिर में तेजाजी महाराज की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई, वही चारभुजा नाथ, तेजाजी महाराज, बालाजी व भोलेनाथ मंदिर पर ध्वज दंड एवं गरुड़ घंटा की स्थापना की । तेजाजी महाराज के शिखर मंदिर एवं बालाजी मंदिर व पुराने तेजाजी महाराज के मंदिर पर स्वर्ण कलश की स्थापना की गई, इसके साथ ही तेजाजी मंदिर में तेजाजी सवार लीलण घोड़ी की स्थापना की एवं शिवालय में कार्तिक भगवान की मूर्ति की स्थापना की । इस दौरान महिलाओं ने मंगल गीत गए और गांव का माहौल भक्तिमय हो गया, श्रद्धा और आस्था का संगम एक साथ देखने को मिला । आखरी दिन बुधवार को 9 हवन कुंड पर 71 जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 71 हजार आहुतियां लगाई । वही दोपहर 12:15 बजे महाआरती के साथ नौ दिवसीय महायज्ञ की पूर्णाहुति हुई । इसके बाद प्रसादी का भोग लगाकर प्रसादी का वितरण किया गया ।।

15 पंडितों ने 9 दिन में सफल किया महायज्ञ को

होलिरड़ा गांव में आयोजित नौ दिवसीय सप्त कुण्डिय श्री राम महायज्ञ की पूर्णाहुति बुधवार को हुई, यज्ञाचार्य गोपाल लाल भट्ट ने बताया कि नौ दिवसीय इस महायज्ञ को सफल बनाने के लिए 15 पंडितों ने पूजा अर्चना व वैदिक मंत्रोच्चार का पाठ किया, जिसमें पंडित भगवती शर्मा, शिव शर्मा, प्रहलाद शर्मा, अनमोल शास्त्री, लखन शर्मा, कमलेश शर्मा, विकास शर्मा, लोकेश शर्मा, भगवान शर्मा सहित सभी पंडितों ने महायज्ञ को सफल बनाने में अपना योगदान दिया, अलग-अलग पंडितों को अलग-अलग साहित्य सोपा गया ।।

भक्तिमय भजनों पर झूमे श्रद्धालु, भौंर तक चली भजन संध्या

महायज्ञ के आठवें दिन मंगलवार रात्रि को विशाल भजन का आयोजन हुआ, जिसमें भजन गायक कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भक्तिमय भजनों की प्रस्तुतियां दी । मंगलवार रात्रि को विशाल भजन संध्या की शुरुआत भजन गायक बालकिशन चौधरी ने गणपति वे गणेश वंदना के साथ की इसके बाद तेजाजी महाराज की महिमा का बखान किया । इसके बाद भजन गायिका कृष्णा चौधरी माझावास, दिनेश नायक गणेशपुरा व आयुष शर्मा आकोला ने एक से बढ़कर एक तेजाजी महाराज के भजनों की प्रस्तुतियां दी, जिस पर श्रद्धालु भाव विभोर होकर भक्ति के रस में डूब कर नाचने झूमने लगे, इस दौरान ईशू बाबू व सोनू ने अपने नृत्य से सबका मन मोह लिया, भजन संध्या भौंर तक चली।

मंगेरिया गांव में धूमधाम से मनाया बाईसा भूवासा स्नेह मिलन समारोह

स्मार्ट हलचल| ओम जैन

शंभूपुरा। मंगेरिया गांव में रविवार से दो दिवसीय पारंपरिक बाईसा राज मिलन कार्यक्रम श्रद्धा उत्सव और सांस्कृतिक उल्लास के साथ शुरू हुआ। आयोजन के लेकर गांव में उत्सव बना हुआ तथा आयोजन स्थल को आकर्षक रूप से सजाया गया है समिति के अनुसार 14 जून से सुबह कलश यात्रा और बाईसा के स्वागत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ इसके बाद दिन में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया एवं रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।

स्थानीय निवासी दशरथ सिंह राठौड़ ने बताया कि सोमवती अमावस्या के अवसर पर प्रभात फेरी का आयोजन किया गया उसके बाद पूर्वजों का आशीर्वाद लेने समस्त परिवार मोडी नाड़ी गये और पूर्वजों की देवली पर धूप दीप कर आशीर्वाद लिया।

दोपहर में बाईसा की सीक स्वरूप बेस दिए और चुंदड़ी ओढ़ाई और खेलखुद का आयोजन किया और रात्रि में सांस्कृतिक नृत्य के साथ भव्य समापन हुआ।

नर्वदेश्वर महादेव एवं शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न, श्रद्धा और भक्ति का उमड़ा सैलाब

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़ के डगला खेड़ा स्थित अरिहंत नगर में नर्वदेश्वर महादेव एवं शिव परिवार की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा का त्रिदिवसीय धार्मिक महोत्सव मंगलवार को पूर्णाहुति एवं महाआरती के साथ संपन्न हो गया। 15 जून से प्रारंभ हुए इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया।

महोत्सव के दौरान देव पूजन, अभिषेक, हवन, यज्ञ एवं विभिन्न वैदिक अनुष्ठान श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुए। कार्यक्रम के मुख्य यज्ञाचार्य पंडित चंद्रकांत भारद्वाज रहे। आयोजन में ग्राम पंचायत धनेत कला के प्रशासक रणजीत सिंह भाटी एवं पंचायत समिति चित्तौड़गढ़ की प्रधान देवेंद्र कंवर ने भी सहभागिता निभाई। एक दिन पूर्व आयोजित भव्य शोभायात्रा में भगवान महादेव, गणेशजी, माता पार्वती, भगवान कार्तिकेय एवं नंदी महाराज की मूर्तियों को सुसज्जित बग्गी में विराजित कर नगर भ्रमण कराया गया। शोभायात्रा में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भाग लिया, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा।

महोत्सव के अंतर्गत आयोजित भजन संध्या में भजन गायक मुरलीधर जोशी, मुकेश साहू, रतन गिरी गोस्वामी एवं अवनी बुनकर ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

हवन पूर्णाहुति कार्यक्रम में रणजीत सिंह भाटी, महिपाल सिंह भाटी, महेंद्र सिंह चुंडावत, अनिल शर्मा, चावण सिंह चुंडावत, देवीलाल जाट, शिवपाल सिंह चुंडावत, ओमप्रकाश जोशी, मिथिलेश जायसवाल, भूरसिंह राणावत, श्यामलाल शर्मा, शुभम शर्मा, प्रकाश पुष्करणा, शैलेन्द्र शर्मा, संदीप चंदेल एवं संग्राम सिंह चुंडावत सहित अनेक श्रद्धालु जोड़ों सहित यज्ञ में शामिल हुए। आयोजन को सफल बनाने में लालूराम डांगी, धर्मदास वैष्णव, लालसिंह राठौड़, राहुल शर्मा एवं बालकिशन माली सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

राजस्थान राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष बने पवन कुमार पाराशर

53 मतों में से 32 मत प्राप्त कर दर्ज की जीत, नई कार्यकारिणी का भी किया गठन

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

राजस्थान राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारी संघ शाखा चित्तौड़गढ़ की जिला कार्यकारिणी के गठन हेतु मंगलवार को रतन बाग, महाराणा प्रताप मार्ग स्थित परिसर में निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुई। निर्वाचन में पवन कुमार पाराशर जिला अध्यक्ष पद पर निर्वाचित घोषित किए गए। जिला अध्यक्ष पद के लिए राजाराम मीणा एवं पवन कुमार पाराशर के नाम प्रस्तावित किए गए थे। निर्वाचन प्रक्रिया का संचालन पीठासीन अधिकारी किशनलाल माली के नेतृत्व में मतदान अधिकारियों राकेश मोड़, चन्द्रशेखर सोनी, मंगलेश्वर शर्मा, राहुल शर्मा, मुकेश शर्मा एवं विकास गौड़ द्वारा किया गया।

निर्वाचन में कुल 53 मंत्रालयिक कर्मचारियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतगणना में पवन कुमार पाराशर को 32 मत तथा राजाराम मीणा को 21 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार पाराशर 11 मतों के अंतर से विजयी घोषित किए गए।

निर्वाचन के बाद नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष पवन कुमार पाराशर ने जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों की नियुक्ति की। कार्यकारिणी में राजाराम मीणा को उपाध्यक्ष, श्रीमती लीला कंवर चौहान को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, आशीष जाजपुरा को कोषाध्यक्ष, चंचल वर्मा को सचिव, मोहनीष राजावत को सहायक सचिव, दीपेश शर्मा को विधि मंत्री, दिनेश कुमार ओझा को महामंत्री, श्रीमती स्वाति अग्रवाल को संयुक्त महामंत्री, हेमेन्द्र सिंह गौड़ को संगठन मंत्री तथा चिंतन कुमार शर्मा को सूचना एवं प्रचार मंत्री मनोनीत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित मंत्रालयिक कर्मचारियों ने नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष एवं पूरी कार्यकारिणी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। जिला अध्यक्ष पवन कुमार पाराशर ने सभी कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन हित, कर्मचारी कल्याण तथा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का विश्वास दिलाया।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती पर कांग्रेसजनों ने किया माल्यार्पण

पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना की ओर से प्रतिमा पर अर्पित किए श्रद्धासुमन, गूंजे महाराणा प्रताप अमर रहें के नारे

स्मार्ट हलचल| निंबाहेड़ा

वीरता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर बुधवार को निंबाहेड़ा में राजस्थान सरकार के पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना की ओर से कांग्रेसजनों ने महाराणा प्रताप की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महाराणा प्रताप के अदम्य साहस, त्याग एवं मातृभूमि के प्रति समर्पण को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

उदयपुर रोड स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सुभाष चन्द्र शारदा, जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम लाल झवर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे। सभी ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर महाराणा प्रताप के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया तथा 'महाराणा प्रताप अमर रहें' के गगनभेदी नारों से वातावरण को राष्ट्रभक्ति एवं गौरव की भावना से ओतप्रोत कर दिया।

कार्यक्रम में विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष जसवंत सिंह आंजना, जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव मनोहर सिंह मीणा, जिला विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह सोलंकी, नगर कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग अध्यक्ष मोहम्मद कुरैशी, ब्लॉक कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग अध्यक्ष हाजी शब्बीर गौरी, नगर युवा कांग्रेस अध्यक्ष रोमिल चौधरी, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन प्रकोष्ठ नगर अध्यक्ष रोमी पोरवाल, स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ नगर अध्यक्ष राजेश सांड, स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ के जिला सचिव शांतिलाल लाडना, नगर कांग्रेस कमेटी महासचिव मनीष जारोली, ओमप्रकाश शर्मा, प्रवक्ता रवि जाजपुरा,आईटी सेल संयोजक मोहम्मद अली मंसूरी, पूर्व नगर कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग अध्यक्ष हाजी ज़ाहिद खान, पूर्व पार्षद शोभाराम जाट एवं यू एस शर्मा,हाजी कल्लू बा मंसूरी, रशीद खान, हाजी सन्नू मियां, संजय उपाध्यक्ष, अरविन्द अहीर, मुकेश धाकड़, भोलाराम भांभी, मांगीलाल किर, रोहित तेली, हितेश भराड़िया, बबलू जाट, अर्जुन धाकड़, विष्णु मीणा, अनिल मीणा,आशुतोष टांक तथा कांग्रेस कार्यालय प्रभारी ज़ाकिर हुसैन सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक स्व. जोशी की स्मृति में पौधारोपण सहित विविध आयोजन

बेगूं। पूर्व विधायक एवं श्री जोगणिया माता संस्थान के संस्थापक, अध्यक्ष स्व. भंवर लाल जोशी की तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर विभिन्न सामाजिक, पर्यावरण और धार्मिक कार्यक्रमों का श्रद्धापूर्वक आयोजन किया गया।

जानकारी के अनुसार स्व. जोशी की तृतीय पुण्यतिथि पर सर्वप्रथम त्रिवेणी संगम पर घाट स्वच्छता अभियान चलाकर श्रमदान किया गया और वहाँ जलीय मछलियों को खाद्य पदार्थ (दाना) अर्पित किया गया। इसके पश्चात त्रिवेणी महादेव मंदिर में भगवान शिव का विशेष अभिषेक एवं आरती की। इसके साथ ही श्री जोगणिया माता शक्तिपीठ में चल रहे पाटोत्सव के समापन के अवसर पर माताजी की विशेष पूजा-अर्चना की गई। धार्मिक अनुष्ठानों की इस श्रृंखला के बाद संस्थान के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संस्थान के कार्यालय में पूर्व अध्यक्ष स्व. जोशी के छाया चित्र पर पुष्प चढ़ा एवं दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ठुकराई चौराहे से श्री नगर तक सड़क के दोनों तरफ 501 फलदार एवं छायादार वृक्ष लगा उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी, मेड़केश्वर महादेव के महंत नंदकिशोर दास महाराज, कन्हैया लाल मेवाड़ा, रमेश गुर्जर, सूरजमल गुर्जर, सीताराम धाकड़, लक्ष्मण धाकड़, दिनेश सनाढ्य, डॉ. श्याम बिहारी दिनकर, महेंद्र सोलंकी, महेश सोनी, प्यारचंद सोनी, सांवरमल शर्मा सहित वेद विद्यालय के बटुकजन उपस्थित थे।

भवानी मंडी एसडीओ कोर्ट का अभूतपूर्व कीर्तिमान: सालाना औसत 112 से सीधे 1,892 पार पहुंचा राजस्व निपटान, 10 साल पुराने केस पूरी तरह खत्म

उपखंड अधिकारी श्रद्धा गोमे के राजस्व न्यायालय ने रचा इतिहास; निपटान दर में 1,344% की रिकॉर्ड बढ़ोतरी, 60 साल पुराना मेला मैदान विवाद सुलझा, खेल स्टेडियम के लिए भूमि आवंटित

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। राजस्थान जैसे कृषि प्रधान राज्य में, जहाँ ज़मीन सिर्फ एक आर्थिक संपत्ति नहीं बल्कि ग्रामीण समाज की जीवनरेखा है, वहाँ भवानी मंडी के उप-खंड अधिकारी (एसडीएम) श्रद्धा गोमे के राजस्व न्यायालय ने संस्थागत सुधार की एक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक इबारत लिखी है। भवानी मंडी एसडीओ कोर्ट ने वर्ष 2025-2026 के दौरान मुकदमों के निस्तारण में जो ऐतिहासिक छलांग लगाई है, उसने अंतिम छोर पर बैठे नागरिक तक त्वरित न्याय पहुँचाने के संकल्प को सच कर दिखाया है। न्यायालय द्वारा चालू माह तक निपटाए गए मामलों की कुल संख्या 1,892 के ऐतिहासिक आंकड़े पर पहुँच गई है, जो पिछले वर्षों के औसत वार्षिक निपटान (112 मामले प्रति वर्ष) की तुलना में 1,344.64% की अभूतपूर्व वृद्धि है।

10 साल पुराने मामलों का शत-प्रतिशत निस्तारण:

भवानी मंडी न्यायालय ने इच्छाशक्ति दिखाते हुए 10 वर्ष से पुराने जटिल मामलों का 100% निस्तारण कर दिया है, जबकि पिछले पांच वर्षों में यह निस्तारण दर शून्य बनी हुई थी। इसके अलावा, 5 वर्ष से अधिक समय से लंबित मुकदमों को रिकॉर्ड गति से निपटाते हुए एक वर्ष में ही 112 से मात्र 19 पर ला खड़ा किया है। इसी के साथ राजस्व आवेदनों के निस्तारण की पूर्व दर 18.5% से बढ़कर इस वर्ष 94.54% के अद्वितीय स्तर पर पहुँच गई है।

60 साल पुराना 'मेला मैदान' भू-विवाद सुलझा, 1,068 बीघा भूमि अतिक्रमण मुक्त:

न्यायालय ने जनहित को प्राथमिकता देते हुए उप-खंड की बेशकीमती और लगभग 60 साल पुराने कानूनी विवाद में फंसी 'मेला मैदान' भूमि का विवाद निपटाकर इसका स्वामित्व सफलतापूर्वक नगर पालिका को हस्तांतरित किया है, जहाँ अब खेल स्टेडियम का निर्माण होगा। इसके साथ ही सेवा शिविरों के माध्यम से उप-खंड में कुल 1,068 बीघा से अधिक मूल्यवान सरकारी भूमि को महज कुछ ही दिनों में अवैध कब्जों से मुक्त कराया गया। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के तहत न्यायालय ने प्राचीन शिवालय मंदिर, राम मंदिर मांडवी, दुर्गा मंदिर और ठाकुर जी मंदिर पिपलिया सहित विभिन्न आस्था केंद्रों की भूमियों को भी विवादों से मुक्त कर संरक्षित किया है।

'जीरो-कॉस्ट मॉडल' और 'द्वार-द्वार न्याय' की अभिनव पहल:

इस सफलता के पीछे कोर्ट का कुशल प्रबंधन रहा। सोमवार से बुधवार, सुबह 10:00 से दोपहर 2:00 बजे तक का समय विशेष रूप से केवल राजस्व कार्यों के लिए आरक्षित किया गया। तारीख-दर-तारीख की व्यवस्था को हतोत्साहित करते हुए 'ओपन डोर' नीति अपनाई गई। नियमित कामकाज से आगे बढ़कर ग्रामीण सेवा शिविरों के अंतर्गत 27 ग्राम पंचायतों में 'मोबाइल कोर्ट' का आयोजन किया गया, जहाँ राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम की धारा 136 के तहत 5,132 राजस्व आवेदनों का मौके पर ही निपटारा कर बड़ी राहत दी गई।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर पीठासीन अधिकारी श्रद्धा गोमे ने कहा कि यह सफलता राज्य सरकार की प्रतिबद्धता, जिला कलेक्टर के निरंतर मार्गदर्शन, न्यायालय स्टाफ के कड़े परिश्रम और आमजन के अटूट विश्वास का संयुक्त परिणाम है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से वर्तमान में चल रहे 'ग्रामीण एवं शहरी शिविरों' में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है।

एडवोकेट स्नेह परिवार ने महाराणा प्रताप की वीरता और शौर्य को किया नमन

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

एडवोकेट स्नेह परिवार द्वारा महाराणा प्रताप की जयंती धूमधाम से मनाई और उनके अदम्य साहस और वीरता को नमन किया।

सर्वप्रथम जिला अभिभाषक संस्था उपाध्यक्ष महिपाल सिंह राणावत, महासचिव पंकज दाधीच, एडवोकेट स्नेह परिवार के कार्यक्रम संयोजक पीरू सिंह गौड़, अनिल कुमार पारीक, भूपेंद्र सिंह चारण, गौरव पालीवाल, सूर्यप्रकाश सरगरा, अटल बिहारी वैष्णव ने भारत माता व महाराणा प्रताप की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर, पुष्प अर्पित कर, श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इसके पश्चात सभी अधिवक्ताओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। अधिवक्ता भूपेंद्र सिंह चारण ने महाराणा प्रताप के अदम्य साहस और वीरता का परिचय उपस्थित अधिवक्ताओं को करवाया, साथ ही 'म्हारा मेवाड़ी सरदार, वो महाराणा प्रताप कठे' गीत गाया। जिला अभिभाषक संस्था के उपाध्यक्ष महिपाल सिंह राणावत ने महाराणा प्रताप की हल्दीघाटी युद्ध, दिवेर युद्ध के बारे में विस्तार से बताया और मेवाड़ की आन बान और शान महाराणा प्रताप के शौर्य ओर बलिदान को याद किया7 समाजसेविका निशा कंवर गौड़ ने महाराणा प्रताप की वीरता, अदम्य साहस, देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम की गौरव गाथा सुनाई व उनका नारी के प्रति सम्मान चित्रण शब्दों के माध्यम से प्रस्तुत किया। सूर्यप्रकाश सरगरा ने महाराणा प्रताप पर कविता प्रस्तुत की। साथ ही जिला अभिभाषक संस्था महासचिव पंकज दाधीच, वंदना चौखड़ा, ममता दाधीच, पल्लवी गुप्ता, सरिता स्वर्णकार, शीबा जॉन, दीपक चतुर्वेदी ने महाराणा प्रताप के त्याग, बलिदान व राष्ट्रप्रेम पर अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के पश्चात भारत माता की आरती की गई। एंकरिंग भूपेंद्र सिंह चारण ने की।

इस दौरान वंदना आमेटा, सुनीता चतुर्वेदी, आरती कुमावत, सुनीता राठौड़, लता सरगरा, चांदनी चौधरी, कृष्णा सोनी, सुमन दाधीच, निशा चंदेल, नवीन चेचानी, सुधीर डांगी, युवराज चंदेल, प्रदीप कुमार सुखवाल, मनीष बुलिया, बालकिशन साहू, किरण सोनी, अंकित टेलर, मुकेश शर्मा, सहित एडवोकेट स्नेह परिवार के सदस्य मौजूद थे।

उर्स की तैयारियां तेज, अमन-शांति का संदेश देंगे सूफी संत

8 जुलाई को मनाया जाएगा हजरत सूफी बाबा अब्दुल गफूर शाह नक्शबंदी का उर्स

स्मार्ट हलचल|कोटा

कनवास के बालापुरा स्थित हजरत सूफी बाबा अब्दुल गफूर शाह नक्शबंदी की दरगाह पर वार्षिक उर्स 8 जुलाई को श्रद्धा एवं अकीदत के साथ मनाया जाएगा। उर्स की तैयारियों को लेकर मंगलवार को दरगाह परिसर में गद्दीनशीन बाबा अब्दुल हकीम नक्शबंदी की मौजूदगी में बैठक आयोजित की गई, जिसमें दरगाह के पदाधिकारियों, सरपरस्तों एवं कमेटी सदस्यों ने भाग लिया।

बैठक में दरगाह के सदर अब्दुल आसिफ खान ने कहा कि हजरत सूफी बाबा अब्दुल गफूर शाह नक्शबंदी का संदेश सांप्रदायिक सौहार्द, अमन और शांति का रहा है। सूफी संतों की शिक्षाएं मानवता, प्रेम और भाईचारे पर आधारित हैं, जिसके कारण दरगाह पर सभी धर्मों एवं समुदायों के लोग बड़ी श्रद्धा के साथ आते हैं। उन्होंने कहा कि उर्स का उद्देश्य भी समाज में एकता, सद्भाव और आपसी प्रेम को बढ़ावा देना है।

बैठक में उर्स के सफल आयोजन को लेकर विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। सदस्यों ने दरगाह परिसर एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखने, शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा बाहर से आने वाले

जायरीनों के लिए सुगम पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में जावेद जेड (चेयरमैन, मदरसा बोर्ड बूंदी), मन्नू भाई (प्रदेश महासचिव, अल्पसंख्यक विभाग बारां), कालू भाई भवानीमंडी, सलीम लोहार, लियाकत, अजहरुद्दीन, शरीफ भाई (डॉल्फिन एजुकेशन), नदीम, शम्मी, मोहसिन, सरपरस्त अब्दुल शकूर कुरैशी, महमूद, नफीस, बरकत अली, कदीर बाबा, भोला, संजू इमरान, जावेद, राजू, मुस्ताक, सद्दाम, सचिन सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

भाजपा युवा मोर्चा ने लाखेरी आईटीआई के प्राचार्य धर्मराज मीणा की सराहना की, 3 महीने में 50 छात्रों का कराया प्लेसमेंट स्थान

स्मार्ट हलचल| लाखेरी

भाजपा युवा मोर्चा के प्रमुख पदाधिकारियों ने लाखेरी स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के छात्रों के उज्जवल भविष्य को नई दिशा देने के लिए संस्थान के कर्मठ और दूरदर्शी प्राचार्य धर्मराज मीणा की सराहना की है। प्राचार्य मीणा के विशेष प्रयासों के चलते मात्र 3 महीने के भीतर लाखेरी आईटीआई के लगभग 50 छात्र-छात्राओं का देश की प्रतिष्ठित और नामचीन कंपनियों में चयन (प्लेसमेंट) हुआ है। भाजपा युवा मोर्चा के प्रभारी राकेश शर्मा, जिला मंत्री लकी शर्मा और महामंत्री अमित जीनवाल ने संयुक्त रूप से प्राचार्य धर्मराज मीणा को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनका आभार व्यक्त किया।

युवा मोर्चा पदाधिकारियों का वक्तव्य:

प्राचार्य धर्मराज मीणा ने लाखेरी आईटीआई के तकनीकी शैक्षणिक स्तर को सुधारने के साथ-साथ स्थानीय युवाओं को सीधे रोजगार से जोड़ने का जो सराहनीय कार्य किया है, वह बेहद गौरवपूर्ण है। मात्र 90 दिनों के भीतर पेप्सी, नेक्सविटेक, इलेक्ट्रोलाइट, एल एंड टी और मारुति सुजुकी जैसी बहुराष्ट्रीय और प्रतिष्ठित कंपनियों को संस्थान में आमंत्रित कर 50 युवाओं को रोजगार दिलाना उनकी उच्च कार्यशैली और दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाता है।

सोच को धरातल पर उतार रहे हैं प्राचार्य

भाजपा नेताओं ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य की भाजपा सरकार की मुख्य मंशा युवाओं को कौशल विकास के जरिए आत्मनिर्भर और रोजगारयुक्त बनाने की है। प्राचार्य धर्मराज मीणा सरकार की इसी जनकल्याणकारी और युवा-हितैषी सोच को धरातल पर उतारते हुए लाखेरी आईटीआई को एक उत्कृष्ट 'प्लेसमेंट हब' के रूप में विकसित कर रहे हैं। उनके इस प्रयास से न केवल तकनीकी क्षेत्र के छात्रों का भविष्य सुरक्षित हुआ है, बल्कि उनके परिवारों में भी खुशी की लहर है। इस अवसर पर पदाधिकारियों ने कहा कि भाजपा युवा मोर्चा ऐसे दूरदर्शी और कर्तव्यनिष्ठ प्राचार्य के हर सकारात्मक प्रयास में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में लाखेरी आईटीआई के और भी अधिक छात्रों को ऐसी बड़ी कंपनियों में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

ठाकुर जी महाराज के उत्सव में उमड़ा आस्था का महासागर

स्मार्ट हलचल|लाखेरी

उपखंड क्षेत्र के भाण्ड गवार गांव में इन दिनों ठाकुर जी महाराज के पांच दिवसीय धार्मिक महोत्सव की धूम मची हुई है। उत्सव के तहत रविवार को निकाली गई भव्य कलश यात्रा ने पूरे गांव को भक्तिमय रंग में रंग दिया। सिर पर सजे कलश, हाथों में श्रद्धा और मुख पर भक्ति का भाव लिए सैकड़ों महिलाओं ने जब यात्रा में कदम बढ़ाए तो पूरा गांव जयकारों से गूंज उठा।

कलश यात्रा में महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सिर पर मंगल कलश धारण कर ठाकुर जी महाराज की आराधना करते हुए नगर भ्रमण किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों और जयघोषों के बीच ठाकुर जी महाराज की महिमा का

गुणगान किया। ढोल-नगाड़ों की गूंज और श्रद्धालुओं के उत्साह ने माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया।

यात्रा के दर्शन के लिए गांव की गलियों और मार्गों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कई स्थानों पर ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर कलश यात्रा का स्वागत किया। महिलाओं, युवाओं और बच्चों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने आयोजन की भव्यता में चार चांद लगा दिए।

ग्रामीणों ने बताया कि ठाकुर जी महाराज की असीम कृपा से आयोजित यह पांच दिवसीय धार्मिक महोत्सव गांव की आस्था और परंपरा का प्रतीक है। महोत्सव के दौरान प्रतिदिन पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन, धार्मिक अनुष्ठान और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। दूर-दराज के क्षेत्रों से भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं।

भाण्ड गवार गांव में निकली इस कलश यात्रा ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि ग्रामीण अंचलों में धर्म, संस्कृति और परंपराओं के प्रति लोगों की आस्था आज भी उतनी ही मजबूत और जीवंत है। श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से सराबोर यह आयो।

कबाड़ की आड़ में तस्करी का भंडाफोड़; 27 किलो डोडा पोस्त के साथ बिहार का तस्कर गिरफ्तार, ट्रेलर जब्त

स्मार्ट हलचल

बिजयनगर (ब्यावर)। जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के निर्देशानुसार ब्यावर पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है। बिजयनगर थाना पुलिस ने एनएच-48 पर नाकाबंदी के दौरान एक ट्रेलर से 27.640 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल हो रहे हरियाणा नंबर के ट्रेलर को भी जब्त कर लिया है। यह पूरी कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनिया एवं वृताधिकारी (मसूदा) शिवराज सिंह के निकट सुपरविजन में अंजाम दी गई।

थानाधिकारी करण सिंह को विशेष सूत्रों से पुख्ता सूचना मिली थी कि भीलवाड़ा की तरफ से आ रहे एक हरियाणा नंबर के ट्रेलर में भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नेशनल हाईवे-48 पर नाकाबंदी लगाई।

कुछ ही देर बाद मुखबिर के बताए हुलिए का ट्रेलर आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने जब ट्रेलर को रोककर उसकी ट्रोली की तलाशी ली, तो उसमें लोहे का कबाड़ भरा हुआ था। कबाड़ को हटाने पर उसके बीच में दो कट्टे छुपे हुए मिले। कट्टों को खोलकर चेक करने पर उसमें अवैध डोडा पोस्त पाया गया, जिसका कुल वजन 27.640 किलोग्राम था।

पुलिस ने मौके से अवैध मादक पदार्थ और ट्रेलर को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विकास कुमार (25 वर्ष) पुत्र रामचंद्र, निवासी सुगा पिपार, थाना पतही, जिला मोतिहारी (पूर्वी चंपारण), बिहार के रूप में हुई है।

अवैध बजरी परिवहन करते पांच ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

बेगूं। जिले की पारसोली थाना पुलिस ने अवैध बजरी परिवहन करते पांच ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किये है।

जानकारी के अनुसार बेगूं पुलिस उपाधीक्षक अंजली सिंह के सुपरविजन में पारसोली थाना अधिकारी ठाकराराम की टीम ने बिछोर के पास शंभूपुरा की तरफ से आने वाले मार्ग पर बजरी परिवहन करते पांच ट्रैक्टर डिटेन किए। पुलिस ने पांचों ट्रैक्टरों में परिवहन की जा रही करीब 25 टन बजरी जब्त कर चालक महेंद्र पिता धारासिंह नायक निवासी खाचरौल थाना बडलियास, महावीर पिता किशोर सालवी निवासी मेहताजी का खेड़ा थाना बीगोद जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया। उक्त कार्रवाई में थाना अधिकारी ठाकराराम, सहायक उप निरीक्षक देवीलाल, गोविंद सिंह, रामदयाल, हेड कांस्टेबल चांदमल, कांस्टेबल राजेंद्र, रघुवीर, प्रमोद, चालक आरटी राकेश शामिल रहे।

श्री हिंगलाज माता मंदिर, सखीपुरा (उज्जैन) में मंगलवार को भव्य शताब्दी महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया

स्मार्ट हलचल| बूंदी

उज्जैन-श्री हिंगलाज माता मंदिर, सखीपुरा (उज्जैन) के भव्य शताब्दी महोत्सव बड़े धूमधाम ओर उत्साह से मनाया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनिल जैन कालूहेडा स्थानीय भाजपा विधायक उत्तर उज्जैन, मुकेश टटवाल महापोर , नारायण यादव वरिष्ठ समाज सेवी एवं म.प्र. यादव समाज के अध्यक्ष दादा दयालु, सुरेंद्र यादव भाजपा के म.प्र. जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष, कलावती यादव नगर पालिका निगम की सभापति,मुकेश यादव उज्जैन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष,सत्यनारायण चौहान क्षेत्रीय पार्षद, रहे।

विभिन्न विभिन्न स्थानों से पहुंचे समाज केअध्यक्षो ओर समाज के महिला पुरुषों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ा दी। इस भव्य कार्यक्रम में उज्जैन पहुंचे समाज के सभी व्यक्तियों का स्वागत सत्कार किया। ओर विभिन्न विभिन्न स्थानों से आये समाज के अध्यक्षो का समाज के समिति सदस्यों ने दुपट्टा

पहनाकर ओर स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

इस शताब्दी समारोह में दोपहर बाद श्री हिंगुलाज माता की भव्य शोभायात्रा ओर चुनरी कार्यक्रम हुआ जिसमें हजारों की तादाद में विभिन्न विभिन्न स्थानों से आए महिला पुरुष सम्मिलित हुए, शोभायात्रा यात्रा में महिला पुरुष नाचते गाते चल रहे थे। जिससे माहोल ओर खुशनुमा हो गया। हिंगलाज माता की शोभायात्रा शहर के मुख्य बाजारो से गुजरी तो रास्ते में जगह जगह पर शोभायात्रा का सभी समाज के व्यक्तियों ने फूलों से स्वागत किया और शीतल पेयजल ओर कोल्ड ड्रिंक की व्यव-स्था कर अपने आप को गोरवान्वित महसूस किया। शोभायात्रा मुख्य बाजारो से गुजरती हुई हिंगलाज माता मंदिर पहुंचकर कर सम्पन्न हुई। जहां पर समाज के व्यक्तियों का आयोजन समिति ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा एक दिन पूर्व श्री सोमवंशीय सहस्त्रार्जुन क्षत्रिय समाज मुख्य मंत्री द्वारा दी गई,आत्मीय शुभकामनाओं, स्नेह एवं शुभाशीष ने समाज के प्रत्येक जन में उत्साह और ऊर्जा का संचार किया है। जिला अध्यक्ष ने कहा समाज इसके लिए आपके इस आत्मीय भाव एवं सद्भावना के लिए पूरा सामाज आपका हमेंशा आभारी रहेगा।

ध्वजारोहण के साथ तीन दिवसीय श्रुत पंचमी महापर्व शुरू

धर्म, तप और आचार की साधना का पर्व है आचार्य छत्तीस महामंडल विधान, आचार्य परमेष्ठि के 36 गुणों की आराधना हेतु छत्तीसी विधान आरंभ

स्मार्ट हलचल| कोटा

तलवंडी स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में तीन दिवसीय श्रुत पंचमी महापर्व का शुभारंभ बुधवार को ध्वजारोहण एवं मांगलिक अनुष्ठानों के साथ श्रद्धा और उत्साहपूर्वक हुआ। कार्यक्रम आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज एवं नवाचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्यों मुनि श्री 108 निरोग सागर जी महाराज, मुनि श्री 108 निर्मोह सागर जी महाराज, मुनि श्री 108 निरामय सागर जी महाराज तथा मुनि श्री 108 निर्भीक सागर जी महाराज के पावन सानिध्य एवं मंगल आशीर्वाद में आयोजित किया जा रहा है।

श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर समिति के महामंत्री प्रकाश सामरिया ने बताया कि महापर्व के अंतर्गत 3 दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत क्रम से प्रथम दिन आचार्य छत्तीसी विधान, भक्तामर विधान, श्रुत स्कंध विधान का आयोजन किया जाएगा,मुनि श्री 108 निरोग सागर जी ने बताया कि आचार्य पद के 36 गुणों की आराधना एवं स्मरण हेतु 'आचार्य छत्तीस महामंडल विधान' का आयोजन किया जाता है ,

विधान में आचार्य भगवान के गुणों का स्तवन, पूजन एवं अर्घ्य समर्पण कर उनके आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा दी

जाती है। साथ ही मुनि श्री ने आचार्य परमेष्ठि के 36 मूलगुणों में त्रिगुप्ति, पंचाचार, षट् आवश्यक, 12 तप एवं 10 धर्मों का विशेष महत्व बताया गया।

कार्यक्रम के दौरान ध्वजारोहण का सौभाग्य वंदना बड़जात्या परिवार को प्राप्त हुआ। सौधर्म इंद्र के रूप में अजय जैन एवं उपेंद्र जैन (सीए) परिवार तथा द्रव्य पुण्यार्जक के रूप में सुरेश हरसौरा, निर्मल हरसौरा, निहाल, राहुल एवं रोहित परिवार ने धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता निभाई।

मुनि श्री 108 निरोग सागर जी महाराज ने आचार्य छत्तीसी विधान के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए आचार्यत्व के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संदेश भी दिया। वहीं मुनि श्री 108 निरामय सागर जी महाराज ने अभिषेक एवं शांतिधारा की विधियों का विस्तार से वर्णन करते हुए सही प्रक्रिया से अनुष्ठान संपन्न करने के लाभ और अतिशय बताए तथा श्रद्धालुओं को व्यवहारिक रूप से इसकी जानकारी प्रदान की।

विधान की समस्त मांगलिक क्रियाएं भैयाजी, आदि कुमार जी एवं अनिल डाबी के निर्देशन में संपन्न हुईं। आयोजन में सकल जैन समाज के जे.के. जैन, मनोज जैसवाल, पारस सोगानी, मंदिर समिति के राजकुमार लुहाड़िया, मनोज पाटनी, शुभम लुहाड़िया, पिंकेश सांवला, अशोक सबदरा, सुदर्शन, संदीप, ललित लुहाड़िया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। तलवंडी युवा शक्ति मुनि संघ के ग्रीष्मकालीन प्रवास एवं समस्त धार्मिक गतिविधियों के सुचारु एवं अनुशासित संचालन में सक्रिय भूमिका निभा रही है।

पहिये में साड़ी फंसने से बाइक से गिरी महिला की मौत

चित्तौड़गढ़। जिले के भदेसर थाना क्षेत्र के चित्तौड़गढ़-उदयपुर हाईवे पर मोटरसाइकिल के पहिए में साड़ी फंसने से सड़क पर गिर कर गंभीर घायल हुई महिला की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार बिजयपुर थाना क्षेत्र के पालेर निवासी प्रियंका (27) पुत्री रामेश्वर लाल सेन बुधवार सुबह अंबाबेरी निवासी कालू लाल के साथ मोटरसाइकिल सांवलियाजी दर्शन करने जा रही थी। इसी दौरान चित्तौड़गढ़-उदयपुर हाईवे पर होडा चौराहे के पास उसकी साड़ी का पल्लू मोटरसाइकिल के पहिए में उलझ गया, जिसके झटके से प्रियंका अचानक मोटर साइकिल से गिर गई और साड़ी उसके पर्स की बेल्ट से गले में फंदा लग गया। इसके साथ ही सिर पर भीं गंभीर चोट आई, जिससे वह अचेत हो गई। घटना स्थल से कुछ दूर स्थित होटल सहयोग के संचालक अकरम अली सहित कई लोग मौके पर पहुंचे और 108 एम्बुलेंस की सहायता से प्रियंका जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मोटरसाइकिल चालक युवक फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर मृतका के परिजन जिला चिकित्सालय पहुंचे, इसके साथ ही भदेसर थाने के एएसआई तंवर सिंह भी जाप्ते के साथ चिकित्सालय पहुंचे। पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज कर शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करा परिजनों के सुपूर्द कर दिया।

ऊकरूंद में आस्था का महासंगमः हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का शुभारंभ

धर्म, संस्कृति और भाईचारे का अनूठा संगम बना आयोजन, गांव के कोने-कोने में गूंजे जयकारे

स्मार्ट हलचल

महवा। ग्राम ऊकरूंद में गुरुवार को धार्मिक आस्था, सनातन संस्कृति और सामाजिक एकता का अभूतपूर्व नजारा देखने को मिला, जब हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का शुभारंभ किया गया। पूरे गांव में सुबह से ही उत्सव जैसा माहौल रहा। महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सिर पर कलश धारण कर जब यात्रा में शामिल हुईं तो गांव की गलियां भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंग गईं। भगवान के जयकारों, भजन-कीर्तन और शंखध्वनि से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

आयोजक काडूराम मीना ने बताया कि कथा महोत्सव के शुभारंभ से पूर्व उनके निज निवास पर वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना, हवन एवं कलश पूजन का आयोजन किया गया। विद्वान आचार्यों द्वारा मंत्रोच्चार के बीच धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हुए, जिसके बाद संत-महात्माओं एवं श्रद्धालुओं की उपस्थिति में कलश यात्रा का विधिवत शुभारंभ किया गया।

कलश यात्रा में महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों एवं बच्चों सहित हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सिर पर कलश धारण किए महिलाओं की लंबी कतारें आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं द्वारा गाए जा रहे मंगल गीतों ने पूरे आयोजन को और अधिक भव्य बना दिया। यात्रा में शामिल श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण एवं सनातन धर्म के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे, जिससे पूरा गांव धर्ममय वातावरण में डूब गया।

भव्य कलश यात्रा गांव के प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों एवं धार्मिक स्थलों से होकर निकली। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा श्रद्धालुओं का फूल-मालाओं, पुष्प वर्षा, फल एवं शीतल जलपान से भव्य स्वागत किया गया। जगह-जगह स्वागत द्वार बनाए गए थे, जहां श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। ग्रामीणों के उत्साह और सहयोग ने आयोजन को यादगार बना दिया।

यात्रा के दौरान सामाजिक समरसता और भाईचारे की अनूठी मिसाल भी देखने को मिली। गांव के सभी वर्गों एवं समाजों के लोग एक साथ धार्मिक आयोजन में सहभागी बने। श्रद्धालुओं ने कहा कि ऐसे आयोजन केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं होते, बल्कि समाज को जोड़ने और संस्कारों को मजबूत करने का कार्य करते हैं। धर्म के माध्यम से प्रेम, सद्भाव और आपसी सहयोग की भावना को बढ़ावा मिलता है।

आयोजक काडूराम मीना ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मानव जीवन को सही दिशा देने वाली दिव्य ज्ञान गंगा है। कथा के श्रवण से व्यक्ति के जीवन में आध्यात्मिक जागृति आती है तथा उसे धर्म, सत्य, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से कथा में नियमित रूप से उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने का आग्रह किया।

कलश यात्रा के कथा स्थल पहुंचने पर विधिवत पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठानों के साथ कथा महोत्सव का शुभारंभ किया गया। आगामी दिनों में कथा व्यास द्वारा श्रीमद्भागवत महापुराण के विभिन्न प्रसंगों का रसपान कराया जाएगा। कथा में भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं, भक्तों के प्रति उनकी करुणा, धर्म स्थापना, भक्ति की महिमा तथा मानव जीवन के कल्याणकारी संदेशों का विस्तार से वर्णन किया जाएगा।

ग्रामीणों का कहना है कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों से जुड़ने का अवसर मिलता है। आधुनिकता के इस दौर में ऐसे आयोजन समाज में नैतिकता, संस्कार और भारतीय संस्कृति को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों, युवाओं एवं महिलाओं सहित हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, बैठने एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। कथा महोत्सव को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

भक्ति, श्रद्धा, संस्कृति और सामाजिक एकता का यह अद्भुत संगम ऊकरूंद गांव के लिए एक ऐतिहासिक एवं यादगार अवसर बन गया।

इस अवसर पर आयोजक रामफूल मीना, जगमोहन जयन, खुशीराम मीना,काडूराम मीना, मेघराम डीलर, जगदीश मीना, रघुवीर मीना, कल्लू मीना,जीतेश मीना, उमाशंकर मीना सहित अनेक महिलाएं एवं पुरुष मौजूद रहे थे।

बस सेवा ठप, अतिक्रमण बना रोड़

चोरू ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

स्मार्ट हलचल

नगर फोर्ट। ग्राम पंचायत चोरू के ग्रामीणों ने रोडवेज बस सेवा शुरू कराने और सड़क से अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो व्यापक जन आंदोलन किया जाएगा।

बस नहीं होने से बढ़ी परेशानी

चोरू गांव राष्ट्रीय राजमार्ग 552 के निकट स्थित है। यहां से रोजाना बड़ी संख्या में विद्यार्थी, कर्मचारी, व्यापारी और आमजन आवागमन करते हैं। ज्ञापन में बताया गया कि गांव में रोडवेज बसों का नियमित संचालन नहीं होने से लोगों को निजी वाहनों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इससे समय और धन दोनों की बर्बादी हो रही है। विद्यार्थियों, महिलाओं, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है।

अतिक्रमण और गड्ढे बने बाधा

टोंक-सवाई माधोपुर नेशनल हाईवे 552 से चोरू गांव को जोड़ने वाली लिंक रोड पर मेन स्टैंड के पास गहरे गड्ढे हैं। साथ ही सार्वजनिक सड़क के किनारे लोगों ने चीरे गाड़कर अतिक्रमण कर रखा है। इससे सड़क संकरी हो गई है और बस संचालन में बाधा आ रही है।

ग्राम वासियों ने अपनी मांगों में चोरू गांव से होकर रोडवेज बसों का नियमित संचालन शुरू किया जाए।लिंक रोड के गड्ढे भरवाए जाएं और झीगरा डलवाया जाए। सड़क किनारे हुए अतिक्रमण को तुरंत हटाकर आवागमन सुगम और सुरक्षित बनाया जाए। ज्ञापन देने वालों में गणेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और महिलाएं शामिल रहे। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर कर बस सेवा शुरू करने की मांग का समर्थन किया। ग्रामीणों का कहना है कि जनहित में प्रशासन जल्द सकारात्मक कार्रवाई करे।

ईनामी हिस्ट्रीशीटर 36.46 ग्राम स्मैक व 66 हजार की नगदी के साथ धराया

चित्तौड़गढ़। सदर थाना पुलिस एवं जिला विशेष टीम (डीएसटी) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 10 हजार रुपये के ईनामी एवं हिस्ट्रीशीटर के ओछड़ी स्थित फ्लैट पर दबिश देकर 36.46 ग्राम अवैध स्मैक, मादक पदार्थों के क्रय-विक्रय एवं परिवहन में प्रयुक्त उपकरण तथा 66800 रुपये नकद बरामद कर उसे गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि महानिरीक्षक रेंज उदयपुर गौरव श्रीवास्तव द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत एएसपी मुकुल शर्मा व डीएसपी ब्रजेश सिंह के सुपरविजन में सदर थानाधिकारी प्रेम सिंह ने जाप्ते एवं डीएसटी के साथ मुखबिर की सूचना पर ओछड़ी स्थित प्रधानमंत्री आवासीय योजना के फ्लेट नम्बर एलआईजी 5/एफएफ-7 पर दबिश दी। जहां सुरेश कुमार उर्फ भोना सिंधी पिता मंगाराम सिंधी निवासी एलआईसी ऑफिस के सामने किला रोड चित्तौड़गढ़ हाल किरायेदार भगवान सिंह प्रधानमंत्री जन आवास योजना ओछड़ी मिला, जो दस हजार का ईनामी और हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस ने तलाशी लेकर फ्लैट से 36.46 ग्राम अवैध स्मैक, मादक पदार्थों की खरीद फरोख्त से मिले 66800 रुपये जब्त कर सुरेश उर्फ भौना सिंधी को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया। आरोपी भौना सिंधी भोपालसागर थाने में 10 हजार रुपये का ईनामी है और उसके विरुद्ध पूर्व में 20 प्रकरण जुआ अधिनियम के व 05 एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण दर्ज होने के साथ ही कोतवाली चित्तौड़गढ़ का हिस्ट्रीशीटर है।

मनोज मीना बने सावर नगर पालिका के नए ईओ, स्वच्छता, विकास और अतिक्रमण मुक्त नगर बनाने का लिया संकल्प

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। नगर पालिका सावर को नया अधिशासी अधिकारी मिल गया है। नव नियुक्त अधिशासी अधिकारी मनोज मीना ने बुधवार को विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण कर लिया। उनके कार्यभार संभालने के साथ ही नगर पालिका के प्रशासनिक एवं विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

पदभार ग्रहण करने के बाद अधिशासी अधिकारी मीना ने नगर क्षेत्र के समग्र विकास, स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, पेयजल आपूर्ति में सुधार, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को बेहतर करने तथा आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल बताया। उन्होंने कहा कि

नगर पालिका का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है और इसके लिए सभी स्तरों पर प्रभावी प्रयास किए जाएंगे।

इसके साथ ही उन्होंने नगर क्षेत्र में सार्वजनिक मार्गों, नालों, सरकारी भूमि एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अवैध अतिक्रमणों के विरुद्ध कार्रवाई के भी संकेत दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर की व्यवस्था एवं विकास में बाधा बनने वाले अवैध अतिक्रमणों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा आवश्यकता पड़ने पर प्रशासन का पीला पंजा भी चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्रवाई पूरी तरह नियमों के तहत एवं निष्पक्ष रूप से की जाएगी।

कार्यभार ग्रहण के अवसर पर नगर पालिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका स्वागत कर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान मीना ने कहा कि सावर को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित नगर बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों तथा आम नागरिकों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि विकास कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी तथा नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान किया जाएगा।

नगरवासियों ने नए अधिशासी अधिकारी के पदभार ग्रहण करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आशा जताई कि उनके कार्यकाल में विकास कार्यों को गति मिलेगी, मूलभूत सुविधाओं में सुधार होगा तथा लंबे समय से लंबित समस्याओं के समाधान के साथ-साथ अवैध अतिक्रमणों पर भी प्रभावी कार्रवाई देखने को मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व सावर नगर पालिका में अधिशासी अधिकारी का पद रिक्त था तथा प्रशासनिक कार्यों के सुचारु संचालन के लिए तेजभान सिंह को अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया था। अब नियमित अधिशासी अधिकारी की नियुक्ति से नगर पालिका के विकास एवं प्रशासनिक कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है।

घाड़ में अवैध पत्थर से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटीः 4-5 महिलाएं घायल

स्मार्ट हलचला

घाड़ (देवली), टोंक। घाड़ कस्बे के चारनेंट रोड पर अवैध पत्थर ले जा रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में ट्रैक्टर में सवार 4 से 5 महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में अधिकांश महिलाएं बरडा ढाणी की निवासी बताई जा रही हैं।

जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध पत्थरों से लदा हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही घाड़ थाना प्रभारी हरीराम वर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें टोंक और देवली रेफर कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, कई घायलों के हाथ-पांव में फ्रैक्चर हुए हैं। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर घाड़ थाने में खड़ा करवा दिया है।

इस घटना के बाद क्षेत्र के

निवासियों में गहरा रोष व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि घाड़ क्षेत्र की पहाड़ियों पर खनन माफियाओं का आतंक है। ग्रामीणों का कहना है कि अवैध खनन के खिलाफ आवाज उठाने वालों को जान से मारने की धमकियां दी जाती हैं। पीड़ितों का आरोप है कि माफियाओं के खिलाफ पहले भी थाने में नामजद रिपोर्ट दर्ज करवाई जा चुकी है, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। ये रिपोर्ट फाइलों में दबी हुई हैं, जिसके चलते माफिया बेखौफ होकर अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। आक्रोशित ग्रामीणों ने इस पूरे मामले में वन विभाग और पुलिस प्रशासन की मिलीभगत होने का भी गंभीर आरोप लगाया है।

नगर फोर्ट में भक्ति का महासंगमः अश्व सवारों संग निकली भव्य शोभायात्रा, बाबा रामदेव जी की मूर्ति स्थापना के साथ महोत्सव संपन्न

स्मार्ट हलचल

नगर फोर्ट। बैरवा मोहल्ला, हायर सेकेंडरी स्कूल के पास स्थित नगर फोर्ट में चल रहे श्री श्री 1008 श्री बाबा रामदेव जी महाराज मूर्ति स्थापना महोत्सव का बुधवार को भव्य समापन हुआ। मूर्ति स्थापना से पूर्व निकाली गई शोभायात्रा में पांच घोड़ा बग्गी और पांच घोड़ों पर सवार अश्वारोहियों ने सबका मन मोह लिया। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में पूरा नगर 'रूणिचा रा धणी बाबा रामदेव जी महाराज की जय' के जयकारों से गूंज उठा।

शोभायात्रा बनी आकर्षण का केंद्र

दोपहर में मंदिर प्रांगण से शुरू हुई भव्य शोभायात्रा में सबसे आगे पांच घोड़ा बग्गी चल रही थी, जिसमें बाबा रामदेव जी का चित्र सुसज्जित था। बग्गी के साथ-साथ पारंपरिक वेशभूषा में पांच घोड़ों पर सवार युवक ध्वज लिए चल रहे थे। डीजे, ढोल-नगाड़ों और भजनों पर झूमते श्रद्धालु, मातृशक्ति का उत्साह देखते ही बन रहा था। शोभायात्रा पूरे बैरवा मोहल्ला का भ्रमण कर वापस मंदिर परिसर पहुंची।की विधि-विधान से हुई

मूर्ति स्थापना शोभायात्रा के बाद आचार्य रामकुंवार महाराज, मांडकला एवं यज्ञाचार्य पंडित संजय शर्मा के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बाबा रामदेव जी की दिव्य मूर्ति की स्थापना की गई। मंच संचालन लादू लाल जी, अध्यापक बोसेरिया ने किया। महाआरती के बाद प्रसादी का वितरण हुआ।

पांच दिवसीय महोत्सव का समापन

आयोजक बैरवा समाज द्वारा 3 जून को गणेश निमंत्रण से शुरू हुआ यह महोत्सव 15 जून को रामायण पाठ, 16 जून को भजन संध्या व कलश यात्रा के बाद आज मूर्ति स्थापना के साथ संपन्न हुआ। 16 जून की कलश यात्रा में भी हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया था।

आयोजकों ने जताया आभार

आयोजन समिति के ओमप्रकाश जी ने कहाः 'बाबा की कृपा से पांच दिवसीय महोत्सव निर्विघ्न संपन्न हुआ। शोभायात्रा में पांच घोड़ा बग्गी और अश्व सवारों ने आयोजन की शोभा बढ़ाई।

नशे को कहें 'ना', शिक्षा से सजाएं बच्चों का कलः जीवार में दाती महाराज ने दिलाया 1000 लोगों को नशामुक्ति का संकल्प

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। समीपवर्ती जीवार (बदनौर) में आयोजित नशामुक्ति संकल्प अभियान कार्यक्रम में सामाजिक सुधार की एक अनूठी अलख देखने को मिली। परमहंस दाती मदन महाराज निजस्वरूपानंदपुरी के पावन सानिध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में करीब एक हजार लोगों ने एक सुर में हाथ खड़े कर जीवन में कभी नशा न करने का संकल्प लिया। अभियान को लेकर ग्रामीणों और युवाओं में भारी उत्साह देखा गया।

नशा विकास में सबसे बड़ी बाधाः दाती महाराज

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दाती महाराज ने कहा कि नशा केवल किसी व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर

देता है। यह राष्ट्र निर्माण में सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से अपील की कि वे अपने बच्चों को नशे की गर्त से बचाएं और उन्हें शिक्षा व खेलकूद के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करें। महाराज ने भावुक होते हुए कहा, 'मेरा जीवन गरीब और असहाय बालक-बालिकाओं के लिए समर्पित है। यदि कोई भी परिवार आर्थिक तंगी के कारण बच्चों को पढ़ाने में असमर्थ है, तो दाती महाराज उनके सहयोग के लिए सदैव तत्पर खड़े हैं। '

कई जिलों से उमड़ा जनसैलाब

जीवार में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में न केवल ब्यावर, बल्कि भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, अजमेर, पाली और जोधपुर क्षेत्र से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। बाबा रामदेव मंदिर में प्रतिमा प्राण-प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर आयोजित इस कार्यक्रम में आयोजक नैनूराम जसावत (नटराज परिवार) के दयाराम, डालूराम, पूणरमल और रमेश जसावत ने दाती महाराज का साफा बांधकर भव्य स्वागत किया। इसके साथ ही साध्वी दयापुरी, अर्जुनकुमार, वादी जागृति संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष सुगनाराम, नटराज मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष कैलाशचंद राजावत सहित कई गणमान्य अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

धूमधाम से हुई प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा

बुधवार सुबह जीवार गांव में उत्सव का माहौल रहा। गाजे-बाजे और पारंपरिक भजनों के साथ भव्य शोभायात्रा और कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें मातृशक्ति ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसके बाद पूर्ण विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ बाबा रामदेव जी की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न की गई। इस दौरान महावीर नटराज, किशन नटराज, राजूराम भानावत सहित समाज के हजारों लोग साक्षी बने।

दिवेर व छापली युद्ध स्मारक को मेवाड़ कॉम्प्लेक्स में शामिल करने की उठी मांग, ब्यावर में शौर्य के साथ मनाई महाराणा प्रताप जयंती

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान रावत राजपूत महासभा, ब्यावर के तत्वाधान में बुधवार को दिवेर विजय स्मारक पर महाराणा प्रताप की जयंती अत्यंत श्रद्धा, गौरव और राष्ट्रभक्ति के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समाज के गणमान्य लोगों, युवाओं और महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप को नमन किया।

मगरा क्षेत्र के योद्धाओं का योगदान अतुलनीयः पूर्व विधायक सुदर्शनसिंह

समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए भीम के पूर्व विधायक सुदर्शनसिंह रावत ने महाराणा प्रताप के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने युवाओं को संबोधित

करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप का त्याग और बलिदान आज के युवाओं के लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है। उन्होंने दिवेर के ऐतिहासिक युद्ध में मगरा क्षेत्र के योद्धाओं द्वारा दिए गए अद्वितीय और ऐतिहासिक योगदान को याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासभा के प्रदेशाध्यक्ष पन्नासिंह जोडकिया ने की।

ऐतिहासिक स्थलों को पर्यटन मानचित्र पर लाने की मांग, प्रस्ताव पारित

महासभा के वरिष्ठ महामंत्री प्राचार्य मानसिंह चौहान ने बताया कि जयंती समारोह के दौरान क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। प्रस्ताव में मांग की गई किः दिवेर विजय स्मारक एवं छापली युद्ध स्मारक को तुरंत मेवाड़ कॉम्प्लेक्स में शामिल किया जाए। दिवेर-छापली के मध्य स्थित ऐतिहासिक स्थलों जैसे–गौकुलगढ़, राताखेत, राणाखड़ा और ऊडेश्वर महादेव मंदिर का समुचित विकास कर इन्हें पर्यटन मानचित्र पर लाया जाए। इन स्मारकों के नवनिर्माण व जीर्णोद्धार के लिए महासभा का एक शिष्टमंडल जल्द ही धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नत प्राधिकरण से मुलाकात करेगा।

लेखक चन्दनसिंह खौंखावत का हुआ साहित्यिक सम्मान

समारोह के दौरान इतिहास और साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 'महाराणा प्रताप का दिवेर विजय संग्राम' पुस्तक के लेखक चन्दनसिंह खौंखावत का महासभा के पदाधिकारियों द्वारा भव्य स्वागत व सम्मान किया गया।कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ महामंत्री मानसिंह चौहान ने किया। इस दौरान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष भगवानसिंह चौहान, गिरधारीसिंह बरजाल, उपाध्यक्ष किशोरसिंह काछबली, राजियावास प्रशासक ब्रजपालसिंह रावत, उदयसिंह छापली, प्रशासक सुरेशसिंह बरजाल, त्रिलोकसिंह स्वादड़ी, भंवरसिंह दिवेर, त्रिभुवन नारायणसिंह, हिरा लाल पालड़ी, अजीतसिंह चुंडावत, मदनसिंह काछबली, रूपसिंह जोधपुर, पुरूषोत्तम नारायणसिंह, रूपसिंह टोकरा, भैरूसिंह राणानाडी, गिरधारीसिंह सिरोदनिया, ख्यालसिंह ताल, रूपसागर सिंह, चूनसिंह खेड़ाजस्सा सहित समाज के कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे। समारोह का समापन महाराणा प्रताप के जोशीले जयघोषों और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

सांवलियाजी के भंडार से दो चरणों में निकले 25.81 करोड़

शेष राशि गणना आज

मण्डफिया। भगवान श्री सांवलिया सेठ मंडफिया के दरबार में 14 जून चतुर्दशी को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की दूसरे चरण की गिनती बुधवार को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव की उपस्थिति में की गई।

जानकारी के अनुसार दूसरे चरण से भंडार से 8 करोड़ 26 लाख 46 हजार 200 रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पूर्व प्रथम चरण में हुई भंडार गिनती से 17 करोड़ 55 लाख रुपए की नगद प्राप्त हुए थे। दोनों चरणों को मिलाकर 25 करोड़ 81 लाख 46 हजार 200 रुपए नगद प्राप्त हुए, तीसरे चरण की गिनती गुरुवार को होगी। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष वैष्णव, सदस्य पवन तिवारी, संपदा प्रभारी भैरूगिरी गोस्वामी, मनोहर लाल चोबीसा सहित मंदिर एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

इस तरह बना सकते हैं ग्रह, नक्षत्रों में करियर

इन दिनों युवाओं में ज्योतिष की पढ़ाई को लेकर भी खूब क्रेज है। बाजार में ज्योतिषियों की बढ़ती मांग को देखते हुए युवाओं को इसमें भविष्य संवारने का सुनहरा मौका दिया है। ज्योतिष कोर्स को लेकर युवाओं के बढ़ते रुझान को देखते हुए यह एक बेहतरीन करियर विकल्प बन गया है। पिछले कुछ सालों में इस फील्ड में काफी स्कोप बढ़ा है। यही नहीं ज्योतिष के साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं।

कुंडली मिलान से लेकर, मांगलिक कार्य, शादी ब्याह, पंचाग, राशिफल, अंकविज्ञान, कर्मकांड आदि भी इसी दायरे में आते हैं। ज्योतिष, पूजा-पाठ के कई तरह के कोर्स उपलब्ध है। 12 वीं करने के बाद भी आप इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। स्नातक ऑनर्स या शास्त्री की डिग्री तीन साल की होती है। दो साल का पीजी कोर्स या आचार्य की डिग्री हासिल की जा सकती है। आप पीएचडी भी कर सकते हैं।

ज्योतिष अलंकार कोर्स के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इसके बाद आप ज्योतिषाचार्य का कोर्स कर सकते हैं। ज्योतिष और अध्यात्म के साथ-साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए भी धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं। अधिकतर संस्थानों और विश्वविद्यालयों में संस्कृत के साथ ही ज्योतिष विज्ञान, कर्मकांड, धर्मशास्त्र, व्याकरण, वेद, पुरोहित आदि की पढ़ाई होती है। वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वैदिक दर्शन, जैन-बुध्द दर्शन, धर्मशास्त्र मीमांसा, धर्मागम आदि का अध्ययन संस्कृत विषय के तहत ही किया जाता है। हालांकि कई संस्थानों में ज्योतिष प्रज्ञ में सर्टिफिकेट कोर्स तो ज्योतिष भूषण में डिप्लोमा कोर्स भी आयोजित कर रहे हैं।

संभावनाएं

ज्योतिष में करियर बनाने के इच्छुक लोगों को रत्न, पत्थर, ग्रह-नक्षत्र के साथ भारतीय लोगों के दृष्टिकोण को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। इस क्षेत्र में कभी भी मंदी नहीं आती क्योंकि अधिकतर भारतीय पारंपरिक हैं और ज्योतिष पर विश्वास करते हैं। कोई भी व्यक्ति अखबार, न्यूज चैनलों के अलावा पत्रिकाओं में भविष्यवक्ता भी बन सकता है।

स्किल्स

इस फील्ड में आप तभी सफल हो सकते हैं जब आप में लगातार कुछ न कुछ सीखने के गुण हों। आपका व्यक्तित्व आकषर्क हो, आप लोगों के साथ दोस्ताना रवैया रख सकें। केवल पैसा कमाना ही आपका मकसद न होकर दूसरों की सहायता करना भी होना चाहिए। ईमानदारी इस पेशे में काफी अहमियत रखती है। साथ ही, जिम्मेदारी की भावना भी आप में कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए। लोगों को अपनी बातों से कंविंस करना इस फील्ड की मुख्य चुनौती है। आप अपनी बात हर समय तर्कयुक्त ढंग से रखें जिससे सामने वाला आपकी बातों पर हामी भरे। ज्योतिष सीखना और भविष्यवाणी करना आसान काम नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है। नकारात्मक बातों की भविष्यवाणी करने से पहले आपको इस बात का ख्याल रखना होता है कि ग्राहक कहीं बेहद निराश में न डूब जाए।

कोर्सेस

बीएससी इन एस्ट्रोलॉजी, एमएससी इन एस्ट्रोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन एस्ट्रोलॉजी, डिप्लोमा कोर्स इन भारतीय ज्योतिष, बीएम/एमए/पीएचडी इन एस्ट्रोलॉजी, एमए इन संस्कृत रिसर्च इन एस्ट्रोलॉजी, कोर्स इन वेदांग ज्योतिष, टू ईयर ग्रेडेट कोर्स इन वैदिक एस्ट्रोलॉजी, एम इन एस्ट्रोलॉजी (पत्राचार), बीए (संस्कृत), ज्योतिष एमए (आचार्य), ज्योतिष बीए (संस्कृत), ज्योतिष फलित, ज्योतिष बीए (ज्योतिष), एमए (फलित ज्योतिष), एमए (सिध्दांत ज्योतिष), बीए शास्त्री (सिध्दांत ज्योतिष), बीए (फलित ज्योतिष), ज्योतिष डिप्लोमा कोर्स, ज्योतिष डिप्लोमा पुरोहित सर्टिफिकेट ट्रेनिंग कोर्स इन पुरोहित, पीजी डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र रिफ्रेशर कोर्स इन ज्योतिष (ज्योतिष प्रज्ञ और ज्योतिष भूषण), ज्योतिष प्रवीण बेसिक एस्ट्रोलॉजी कोर्स (एक साल)।

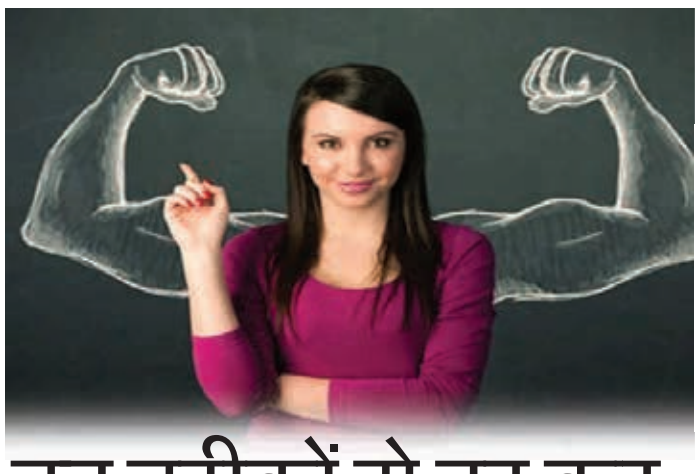

इन तरीकों से दूर कर सकते हैं अपनी कमजोरियां

कई बार हम बिना सोचे-समझे दूसरों की आलोचना कर देते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हम यह नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा। दूसरों की आलोचना पर ध्यान देने या उनकी कमियां निकालने में समय गंवाने के बजाय हमें खुद को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए। अपने आप को कमजोर या हीन समझने के बजाय यह देखें कि आखिर वह कौन-सी खासियत है, जो आपके भीतर है, जिसे आगे बढ़ाकर आप कामयाबी के शिखर की तरफ बढ़ सकते हैं। कभी भी यह न सोचें कि आपके भीतर कोई हुनर नहीं है। अगर आपको लगता है कि वाकई कोई अच्छाई आपमें नहीं है, तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जरा ठहरें। कुछ दिन पूरी एकाग्रता के साथ आत्म-मंथन करें। अपनी रुचियों, आदतों, व्यवहार, बातचीत, प्रतिक्रिया आदि पर ध्यान दें। आपको जरूर पता चल जाएगा कि आप में कौन-सी अच्छाई है। अगर फिर भी समझ में नहीं आता, तो घर के किसी समझदार सदस्य, अध्यापक या फिर काउंसलर की मदद से खुद की ताकत को जानें-समझें। इससे आपको अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

घबराएं न हार से

अगर आप कभी किसी परीक्षा या टेस्ट में फेल हो जाते हैं, किसी टीम का हिस्सा होते हुए भी बेहतर परफॉर्म नहीं कर पाते या फिर किसी वजह से शर्मिंदा होना पड़ता है, तो ऐसी स्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। हताश बिल्कुल न हों। खुद को संयत रखें। फिर यह सोचें कि आखिर आप असफल क्यों हुए? आपसे कहां चूक हो गई? आपने गलती कहां की? अपनी हार या असफलता में छिपे कारणों को ढूंढें। जब तक आप उन कारणों को ढूंढकर उन्हें दूर करने का प्रयत्न नहीं करेंगे, कामयाबी आपसे दूर ही रहेगी। अगर आप खुद को विजेता के रूप में देखता चाहते हैं, तो अपनी कमियों-कमजोरियों को ढूंढकर उन्हें यथाशीघ्र दूर करें। याद रखें, दुनिया में ऐसे बहुत कम कामयाब लोग होंगे, जिन्होंने कभी असफलता का स्वाद नहीं चखा होगा। कामयाबी के शिखर पर पहुंच चुके तमाम लोगों को अपने प्रयासों में कई बार हार मिली। चाहे बल्ब के आविष्कारक थॉमस एडिसन हों या फिर नए संसार की खोज में निकले कोलंबस और वास्को-डि-गामा जैसे लोग। बार-बार की असफलता के बावजूद ऐसे उत्साही लोगों ने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। आखिर एक दिन ऐसा आ ही गया, जब उन्हें कामयाबी मिली और दुनिया भर ने उनका लोहा माना। अगर आप भी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में असफल हो जाते हैं, तो इसे जिंदगी का आखिरी इम्तेहान समझने के बजाय इस बात पर विचार करें कि आखिर किन कमियों के कारण आपको सफलता नहीं मिल सकी। इन कमियों को दूर कर फिर दोगुने उत्साह के साथ प्रयास करें।

आत्ममुग्धता से बचें

अक्सर यह भी देखने में आता है कि छोटी-छोटी सफलताएं पाकर हम आत्ममुग्ध हो जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए किए जाने वाले हमारे प्रयास शिथिल पड़ने लगते हैं। कई बार हम खुद को बेहद काबिल मानकर यह सोच लेते हैं कि हमें सफलता तो मिल ही जाएगी। मगर जब ऐसा नहीं होता और असफलता हाथ लगती है, तो हमें शॉक लगता है। तब हमें एहसास होता है कि काश दूसरों की तारीफों के कारण हम आत्ममुग्धता के शिकार न हुए होते।

सकारात्मकता का साथ

आप चाहे पढ़ाई कर रहे हों या नौकरी, अपनी सोच को हर समय सकारात्मक बनाए रखें। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, संघर्ष चाहे जितना करना पड़े, सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे, तो इसके अच्छे परिणाम भी जरूर दिखेंगे। किसी के बारे में बुरा सोचने या उसकी निंदा करने के बजाय अच्छा सोचें, अच्छा करें। दूसरे क्या कर रहे हैं या क्या नहीं कर रहे हैं, इस पर नजर रखने के बजाय हमेशा अपने दायित्व को पूरा करने पर ध्यान दें। अपने काम में नित नई पहल करते हुए जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ेंगे, तो सफलता भी मिलेगी और नई पहचान भी बनेगी।

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की क्या रणनीति होनी चाहिए?

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रैंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2019 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

सीसैट में सफलता का मुख्य सूत्र क्या है?

सबसे जरूरी बात तो यह है कि उम्मीदवारों का कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए। कॉन्सेप्ट क्लीयर हो, तो सी-सैट मुश्किल नहीं। सभी विषयों पर मेहनत करें। किसी विषय को नजरअंदाज न करें।

वर्कप्लेस क्राइसेस से इन तरीकों से डील करें

ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

वर्कप्लेस पर क्राइसेस अनेक रूप ले सकता है। यह प्रतिष्ठा को लेकर या मुकदमेबाजी का मुद्दा हो सकता है या फिर प्राकृतिक आपदा। यह भी हो सकता है कि रिवेन्यू में कमी होने से कॉस्ट कटिंग और डाउनसाइजिंग का दौर चले। ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

पारदर्शिता

आतंरिक या बाह्य किसी भी तरह के क्राइसेस में कर्मचारियों को चिंता होती है कि वह किस तरह से प्रभावित होंगे। उनके साथ स्पष्ट रूप से संवाद किया जाए और बड़ी खबरें न छुपाई जाए। क्राइसेस को लेकर पारदर्शी रहे और सावधानी से काम करें।

विश्वास रखें

एक लीडर के रूप में आपसे उम्मीद की जाती है कि वर्कप्लेस क्राइसेस से निपटने के लिए आप कॉन्फिडेंट रहें। जहां भी आवश्यक हैं, वहां हस्तक्षेप करें और समाधान के लिए हटकर सोचने से डरे नहीं।

ईमानदार रहें

व्यक्तिगत रूप से कर्मचारियों से मिलें और उन्हें निश्चिंत करें कि इस संकट आप उनका ध्यान रखेंगे। ईमानदारी से स्थिति बयां करते हुए जरूरी एक्शंस को लेकर उनसे बात करें।

मदद मांगने में न हिचकें

अपने कर्मचारियों के पास जाएं और उनसे सलाह मांगे। ऐसा करना आपकी लीडरशिप पर सवाल नहीं है बल्कि यह एक अच्छा तरीका है जिसमें क्राइसेस के समय कर्मचारियों को अपना योगदान देने में गर्व ही महसूस होगा।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com